आषाढ़ कृष्ण - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 325 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 24-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पिछले दो वर्षों से हमें इस तरह की जीत की कमी खल रही थी : राशिद खान

6 दक्षिण अफ्रीका चुनावों में भारतवंशियों ने गाड़े झंडे

7 फिल्म 'कसूर' में नजर आएंगे आफताब शिवदासानी

फर्स्ट टेक

उरी में सेना ने घुसपैठिये को मार गिराया

श्रीनगर/एजेन्सी। जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के उरी सेक्टर में सेना ने रविवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास चल रहे घुसपैठ विरोधी अभियान के दौरान एक अज्ञात आतंकवादी को मार गिराया। सेना ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, उरी सेक्टर में 22 जून को शुरू किये गये घुसपैठ विरोधी अभियान में एक आतंकवादी मारा गया है। मारे गये आतंकवादी की पहचान अब तक नहीं की जा सकी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शनिवार को खुफिया जानकारी के आधार पर बारामूला के गोहालन उरी में घुसपैठ विरोधी अभियान शुरू किया गया था। नियंत्रण रेखा पर तैनात सेना ने जवानों ने घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि देखते ही उन्हें ललकारा। सूत्रों ने कहा, घुसपैठियों को चुनौती दी गयी, जिस पर उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गयी। सेना ने बताया कि अभियान अब भी जारी है।

अमेरिका के ओहायो में हुई गोलीबारी में 10 लोग घायल

ओहायो/एपी। अमेरिका के ओहायो राज्य की राजधानी कोलंबस में हुई गोलीबारी में 10 लोग घायल हो गए जिनमें से एक की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से कहा कि गोलीबारी रविवार तड़के शॉर्ट नॉर्थ आर्ट्स जिले में हुई। कोलंबस पुलिस विभाग ने कहा कि सभी घायल पुरुष हैं। गोलीबारी के संदिग्ध की पुलिस तलाश कर रही है जो सफेद रंग की होंडा सिटी में फरार हो गया था।

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक जहाज पर ड्रोन से किया हमला

दुबई/एपी। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार को लाल सागर में एक जहाज पर ड्रोन से हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में किया गया यह नवीनतम हमला है। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिका ने लाल सागर में आठ महीने तक तैनात रखने के बाद अपने युद्ध पोत 'यूएसएस ड्वाइट डी. आइजनहावर' को वापस बुला लिया है। हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए इन हमलों के कारण एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोपीय बाजारों तक समुद्र के रास्ते वस्तुओं की आपूर्ति करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हूतियों का कहना है कि गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच युद्ध जारी रहने तक वे हमले करना जारी रखेंगे। ब्रिटेन की सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशन सेंटर' ने बताया कि ड्रोन हमला विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट पर तड़के हुआ था।

24-06-2024 सूर्यास्त 6:38 बजे | 25-06-2024 सूर्योदय 5:44 बजे

BSE	NSE
77,209.90	23,501.10
(-269.03)	(-65.90)

सोना	चांदी
7,387 रु.	96,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

यक्ष प्रश्न

कर रहे रात-दिन तैयारी,
उनकी पूछेगा रज़ा कौन।
ढूंढ़ो अपराधी को जल्दी,
ले रहा तंत्र में मजा कौन।
ग़लती वाले बेशर्म बने,
सचमुच में रहता लजा कौन।
कर रहे परीक्षा रद्द मगर,
दोषी को देगा सजा कौन।

नीट-यूजी में अनियमितता मामले में

सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की, विशेष दल बिहार, गुजरात भेजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ सीबीआई ने यह कदम मंत्रालय द्वारा एजेंसी को परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच सौंपने की घोषणा के एक दिन बाद उठाया गया है। यह मांग प्रदर्शन कर रहे छात्रों के एक वर्ग द्वारा की जा रही थी।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक' (नीट-यूजी) में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक संदर्भ के आधार पर रविवार को एक प्राथमिकी दर्ज की। पेपर लीक के दावों की जांच के लिए छात्रों द्वारा देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और अदालतों में याचिकाएं दायर किए जाने के बीच यह कदम उठाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय ने एजेंसी को दी गई एक शिकायत में आरोप लगाया है कि परीक्षा के दौरान कुछ राज्यों में कुछ छिटपुट घटनाएं हुईं। शिकायत अब प्राथमिकी का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सीबीआई ने विशेष दल गठित किए हैं जो गोधरा और पटना रवाना हो गए हैं, जहां पुलिस ने प्रश्नपत्र लीक के मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि एजेंसी गुजरात और बिहार में पुलिस द्वारा दर्ज किए गए इन मामलों की जांच अपने हाथ में लेने की योजना बना रही है। एक अधिकारी ने कहा, राज्य पुलिस द्वारा दर्ज मामलों को भी एजेंसी के दायरे में लेने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

सीबीआई ने यह कदम मंत्रालय द्वारा एजेंसी को परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच सौंपने की घोषणा के एक दिन बाद उठाया गया है। यह मांग प्रदर्शन कर रहे छात्रों के एक वर्ग द्वारा की जा रही थी। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई से अभ्यर्थियों, संस्थानों और बिचौलियों द्वारा कथित अनियमितताओं के सम्पूर्ण पहलुओं की व्यापक जांच करने का अनुरोध किया है, जिसमें षड्यंत्र, धोखाधड़ी, अभ्यर्थी की जगह किसी और के परीक्षा में बैठने, विश्वासघात और साक्ष्यों को नष्ट करना शामिल है।

अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा के आयोजन से जुड़े लोक सेवकों की संभावित भूमिका और पूरे घटनाक्रम एवं बड़ी साजिश भी जांच के दायरे में होगी।

बिहार में पांच और लोग गिरफ्तार

पटना/भाषा। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने नीट 'प्रश्नपत्र लीक' की जांच तेज करते हुए रविवार को पांच और संदिग्धों को गिरफ्तार किया। इन आरोपियों को एक दिन पहले झारखंड के देवघर से हिरासत में लिया गया था। इसके साथ ही मामले में अब तक 18 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब सीबीआई ने पांच मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की है। नीट-यूजी का प्रश्नपत्र लीक होने के दावों के साथ छात्रों द्वारा देश भर में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। ईओयू के एक बयान के अनुसार, गिरफ्तार किए गए पांच लोगों की पहचान बलदेव कुमार, मुकेश कुमार, पंकू कुमार, राजीव कुमार और परमजीत सिंह के रूप में हुई है। ये सभी नालंदा के रहने वाले हैं।

आरएलवी 'पुष्पक' की लगातार तीसरी बार इसरो ने सफल लैंडिंग करायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि उसने पुन: उपयोग में लाए जा सकने वाले प्रक्षेपण यान (आरएलवी) पुष्पक की लगातार तीसरी बार सफल लैंडिंग करायी है। इसरो के अनुसार, उसने अधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आरएलवी की लैंडिंग कराने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

इस मिशन में अंतरिक्ष से लौटने वाले यान को तेज हवाओं के बीच उतारने का अभ्यास किया गया, जिससे अंतरिक्ष एजेंसी की आरएलवी के विकास के लिए आवश्यक अहम प्रौद्योगिकियों को हासिल करने में विशेषज्ञता को बल मिला है।

लैंडिंग एक्सपेरिमेंट (एलईएक्स-03) की शृंखला में तीसरा और अंतिम परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) से भारतीय समयानुसार सुबह सात बजकर 10 मिनट पर किया गया।

आरएलवी एलईएक्स-01 और एलईएक्स-02 मिशन की सफलता के बाद इसरो ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आरएलवी एलईएक्स-03 ने अधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आरएलवी की लैंडिंग क्षमताओं का पुन: प्रदर्शन किया। इस बार एलईएक्स-02 की 150 मीटर की ऊंचाई के बजाय 500 मीटर की ऊंचाई और अधिक तेज हवाओं के बीच इसकी लैंडिंग करायी गई।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'पुष्पक' को रनवे से 4.5 किलोमीटर दूर भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलीकॉप्टर से छोड़ा गया। पुष्पक रनवे के पास पहुंचा और रनवे पर क्षैतिज लैंडिंग की।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के नेतृत्व में यह मिशन इसरो के कई केंद्रों का एक सहयोगात्मक प्रयास है। इस मिशन को भारतीय वायुसेना, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर और भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण से भी काफी सहयोग मिला है।

इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने ऐसे जटिल मिशन में सफलता का सिलसिला बरकरार रखने के प्रयासों के लिए टीम को बधाई दी।

इस सफल मिशन के लिए जे. मुथुपांडियन मिशन निदेशक है और बी.कार्तिक यान निदेशक हैं।

कृपांक पाने वाले 1,563 अभ्यर्थियों में से 813 दोबारा परीक्षा में शामिल हुए

नई दिल्ली/भाषा। नीट-स्नातक में जिन 1,563 अभ्यर्थियों को पहले कृपांक दिए गए थे, उनमें से 813 अभ्यर्थी रविवार को दोबारा परीक्षा में शामिल हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सात केंद्रों पर दोबारा परीक्षा आयोजित की गई। पांच मई को नीट-स्नातक की परीक्षा के दौरान जिन छह केंद्रों पर परीक्षा देर से शुरू हुई वहां समय की हानि की भरपाई के लिए कृपांक दिए गए थे।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कम से कम 52 प्रतिशत - 1,563 उम्मीदवारों में से 813 - रविवार को पुनः परीक्षा में शामिल हुए।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर उठे विवाद के बीच एनटीए ने रविवार को 17 अभ्यर्थियों को परीक्षा देने से रोक दिया जो पांच मई को बिहार के केंद्रों पर परीक्षा देने पहुंचे थे।

शाह ने पूर्वोत्तर में बाढ़ नियंत्रण के लिए तैयारियों पर समीक्षा की

बड़े तालाब बनाने, इसरो के डेटा के इस्तेमाल का सुझाव दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि बाढ़ से निपटने और कृषि, सिंचाई एवं पर्यटन को विकसित करने के लिए ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़ने के लिए पूर्वोत्तर में कम से कम 50 बड़े तालाब बनाए जाने चाहिए।

शाह ने मानसून के दौरान बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए बाढ़ और जल प्रबंधन के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा उपलब्ध कराए गए उपग्रह चित्रों के अधिकतम इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) से निपटने की तैयारियों का भी जायजा लिया।

शाह ने कहा कि बाढ़ के बेहतर प्रबंधन के लिए नदियों के जलस्तर की पूर्वानुमान प्रणाली को उन्नत करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

आधिकारिक बयान के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में कम से कम 50 बड़े तालाब बनाए जाने चाहिए ताकि ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को मोड़कर इन तालाबों में संग्रहित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे उन क्षेत्रों में कम लागत पर कृषि, सिंचाई और पर्यटन को विकसित करने में मदद मिलेगी तथा बाढ़ से निपटने में भी मदद मिलेगी, जिससे अंततः स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

गृह मंत्री ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में सड़क निर्माण के डिजाइन में प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि बाढ़ की स्थिति में जलभराव की स्थिति से निपटा जा सके।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का आपदा प्रबंधन 'शून्य हताहत दृष्टिकोण' के साथ आगे बढ़ रहा है।

रेलवे ने विकसित किया कवच का नया संस्करण

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय रेलवे ने स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच का नया और अधिक सक्षम एवं प्रभावशाली संस्करण कवच 4.0 विकसित किया है तथा परीक्षण के बाद इसे शीघ्र ही लगाना शुरू किया जाएगा। सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कवच की प्रगति की समीक्षा की जिसमें अधिकारियों ने कवच के संस्करण 4.0 की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। रेल मंत्री को बताया गया कि कवच के सभी तीन अनुमोदित निर्माता संस्करण 4.0 के परीक्षण के उन्नत चरण में हैं। श्री वैष्णव ने निर्देश दिया कि कवच 4.0 तैयार होते ही सभी लोको पर मिशन मोड में योजनाबद्ध तरीके से कवच की स्थापना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंस्टालेशन की प्रक्रिया में मौजूद मौजूदा सिस्टम को भी कवच 4.0 में अपग्रेड किया जाएगा। स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) कवच का विकास रेलवे सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अस्सी के दशक में दुनिया की अधिकांश प्रमुख रेलवे प्रणालियाँ एटीपी में स्थानांतरित हो गईं। भारतीय रेलवे ने 2016 में ट्रेन टक्कर रोधी प्रणाली के पहले संस्करण की मंजूरी के साथ यह यात्रा शुरू की थी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा

वर्ष 1985 का कनिष्क बम विस्फोट आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में शुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि 1985 में 'कनिष्क' विमान पर हुआ हमला इतिहास में आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में से एक है। बम विस्फोट की घटना के 39 साल पूरे होने पर उनकी यह टिप्पणी कनाडा की धरती से खालिस्तानी चरमपंथियों की बढ़ती गतिविधियों के कारण भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव के बीच आई है।

मॉन्ट्रियल-नई दिल्ली एयर इंडिया 'कनिष्क' उड़ान संख्या-182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। इनमें ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे।

यह बम सिख आतंकवादियों ने 'ऑपरेशन ब्लूस्टार' के जवाब में रखा था। यह अभियान अमृतसर में स्वर्ण मंदिर को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए 1984 में चलाया गया था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि बम विस्फोट की यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा कि आज इतिहास में आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में से एक के 39 साल पूरे हो गए। उन्होंने कहा, ''मैं एआई-182 'कनिष्क' के 329 पीड़ितों की स्मृति में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जो 1985 में इसी दिन मारे गए थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं।''

महाराष्ट्र के सिंदखेड राजा शहर में 'शेषशायी विष्णु' की विशाल मूर्ति मिली : एएसआई

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र में बुलढाणा जिले के सिंदखेड राजा शहर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा करायी गई खुदाई के दौरान 'शेषशायी विष्णु' की एक विशाल मूर्ति मिली है।

नागपुर क्षेत्र के अधीक्षण पुरातत्वविद अरुण मलिक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह मूर्ति 2.25 मीटर की गहरायी में मिली, जब विशेषज्ञों के एक दल ने लखुजी जाधवराव की छतरी के संरक्षण कार्य के दौरान कुछ पत्थर देखा तथा फिर और खुदाई करने के बाद मंदिर की नींव तक पहुंचे।

मलिक ने बताया, सभा मंडप मिलने के बाद हमने और खुदाई करने का फैसला किया और इस दौरान हमें देवी लक्ष्मी की एक मूर्ति मिली। बाद में, इसमें से शेषशायी विष्णु की विशाल मूर्ति मिली। यह 1.70 मीटर लंबी और एक मीटर ऊंची है। मूर्ति के आधार की चौड़ाई संभवत: 30 सेंटीमीटर है। उन्होंने कहा, यह क्लोराइट शिस्ट चट्टान से बनी है। ऐसी मूर्तियां दक्षिण भारत (होयसल राजवंश) में बनायी गई थीं। इसमें भगवान विष्णु शेषनाग पर लेटे हुए हैं और देवी लक्ष्मी उनके पैर दबा रही हैं। इस मूर्ति में समुद्र मंथन को दर्शाया गया है और इससे निकले अश्व और ऐरावत की नक्काशी भी पैनल पर देखी जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस मूर्ति की विशेषता दशावतार, समुद्र मंथन और भगवान विष्णु को दर्शाती हुई बारीक नक्काशी है।

पीछे नहीं हटेंगे, लेकिन युद्ध शुरू नहीं करेंगे : फिलीपीन

मनीला/एपी। फिलीपीन के राष्ट्रपति ने रविवार को कहा कि उनका देश किसी भी विदेशी ताकत के आगे नहीं झुकेगा लेकिन कभी युद्ध की शुरुआत नहीं करेगा। विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की सेना द्वारा फिलीपीन की नौसेना के जवानों को घायल करने और एक झड़प में कम से कम दो सैन्य नौकाओं को क्षतिग्रस्त किए जाने की पृष्ठभूमि में उन्होंने यह कहा। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने अपने शीर्ष अधिकारियों और रक्षा प्रमुख के साथ द्वीपीय प्रांत पलावन के लिए उड़ान भरी। वह वहां उन नौसेना कर्मियों से मिलने और उन्हें पदक प्रदान करने के लिए पहुंचे जो चीनी तटरक्षक के हमले का निशाना बने थे। सेना द्वारा सार्वजनिक किए गए टकराव के वीडियो और तस्वीरों में चीनी तट रक्षक के कर्मी फिलीपीन के नौसेना की एक नाव पर प्रहार करते, सायरन बजाते और स्ट्रोब लाइट का उपयोग करते देखे जा सकते हैं। वहीं, चीन की सरकार ने कहा है कि जब फिलीपीन के सैनिकों ने उसकी चेतावनी को नजरअंदाज किया तब उसे कार्रवाई करनी पड़ी। इस हिंसक टकराव ने अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अन्य पश्चिमी और एशियाई देशों की चिंता बढ़ा दी है।

पंजाब: स्वर्ण मंदिर परिसर में योग करने पर फैशन डिजाइनर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

अमृतसर/भाषा। पंजाब पुलिस ने अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर परिसर में योग करके धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में एक फैशन डिजाइनर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की शिकायत पर फैशन डिजाइनर अर्चना मकवाना के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने रविवार को बताया कि मकवाना पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 295-ए (किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण इरादा) के तहत शनिवार को मामला दर्ज किया गया।

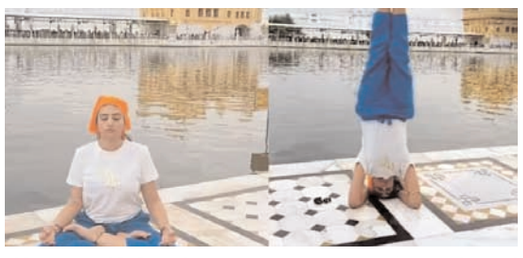

एसजीपीसी ने शनिवार को कहा कि उसने मकवाना के खिलाफ स्वर्ण मंदिर में योग करने और उन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। मकवाना ने अपने इस कृत्य के लिए माफी मांगी थी और कहा था कि उनका कभी किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।

कांग्रेस के 'झूठ' और 'कुशासन' का पर्दाफाश करें: धर्मेंद्र प्रधान ने हरियाणा के कार्यकर्ताओं से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए कमर कसने और कांग्रेस के 'झूठ' और 'कुशासन' को उजागर करने के लिए जनसंपर्क बढ़ाने को कहा।

प्रधान को हाल ही में हरियाणा के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रधान ने रोहतक में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और पार्टी के वरिष्ठ नेता बिप्लब कुमार देब के साथ पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। हरियाणा का चुनाव प्रभारी नियुक्त होने पर प्रधान को स्थानीय इकाई द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अलावा मनोहर लाल और गुर्जर को भी सांसद निर्वाचित होने पर सम्मानित किया गया।

प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद हरियाणा में एक बार फिर गरीबों, किसानों, वंचित वर्गों और आम लोगों की सरकार सत्ता में आएगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से तैयारी में जुटने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी मुकाबले या मुश्किल काम की सफलता में कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सैनी या किसी अन्य की तरह कार्यकर्ताओं का पार्टी पर पूरा अधिकार है। प्रधान ने कहा कि भाजपा हरियाणा को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है और राज्य की प्रगति के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने कहा, हम पूरी ईमानदारी से लोगों की सेवा करते आ रहे हैं। हरियाणा में 19,812 बूथ, 7,200 गांव और 22 जिले हैं। प्रधान ने कहा कि चुनाव में अब करीब 100 दिन बचे हैं और इस 'मिशन 100 दिन' में पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान व्याप्त 'झूठ' और 'कुशासन' को उजागर करना चाहिए।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने यह झूठ फैलाया कि अगर भाजपा दोबारा केंद्र की सत्ता में आई तो वह आरक्षण खत्म कर देगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि कांग्रेस के फैलाए झूठ से गुमराह न हों। हाल के सप्ताह में कांग्रेस नेताओं ने दावा किया है कि लोगों ने हरियाणा में कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने का मन बना लिया है। इस पर प्रधान ने कहा, जो लोग सोचते हैं कि वे एक बार फिर हरियाणा को लूट सकते हैं, उन्हें यह सपना देखना छोड़ देना चाहिए। भाजपा तीसरी बार सत्ता में आने जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि लोग कांग्रेस शासन के दौरान ''दलितों पर हुए अत्याचारों'' को अब भी नहीं भूले हैं। प्रधान ने गरीबों, दलितों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अन्य वर्गों के हितों के लिए केंद्र और हरियाणा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा की। उन्होंने कहा, हमें कांग्रेस के भ्रष्टाचार और कुशासन को जनता के सामने ले जाना होगा।

जीएसटी परिषद तीन मंत्री समूहों का पुनर्गठन करेगी

नई दिल्ली/भाषा। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद को उसके तहत आने वाले तीन मंत्री समूहों (जीओएम) का पुनर्गठन करना होगा। इसका कारण यह है कि 11 राज्यों के नए मंत्री शनिवार को परिषद में शामिल हो गए हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि शनिवार को जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मिजोरम, ओडिशा, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना और त्रिपुरा से 11 नए मंत्री शामिल हुए।

जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक सात अक्टूबर, 2023 को आयोजित की गई थी।

परिषद में नए मंत्रियों के शामिल होने के साथ जीएसटी से राजस्व के विश्लेषण, जीएसटी के तहत रियल एस्टेट क्षेत्र को बढ़ावा देने और जीएसटी प्रणाली में सुधार पर तीन मंत्री समूहों का पुनर्गठन किया जाएगा।

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्री समूह का फरवरी में ही पुनर्गठन किया जा चुका है। इसके संयोजक बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हैं, जबकि अन्य तीन के पुनर्गठन की अधिसूचना अभी तक जारी नहीं हुई है। जीएसटी से प्राप्त राजस्व के विश्लेषण पर गठित मंत्री समूह में ओडिशा से नए वित्त मंत्री को शामिल किया जाना है।

ओडिशा में भाजपा ने विधानसभा चुनाव जीतकर इसी महीने सरकार बनाई है। हरियाणा से नए वित्त मंत्री का नाम भी परिषद में शामिल किया जाना है।

सेना के आरआर अस्पताल में कैंसर विज्ञान, नेत्र विज्ञान, हड्डी रोग केंद्र खुलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना के अत्याधुनिक अस्पताल (अनुसंधान एवं रेफरल) ने कैंसर विज्ञान, नेत्र विज्ञान और हड्डी रोग विज्ञान के लिए तीन नए चिकित्सा केंद्रों के साथ अपने बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण विस्तार की शुरुआत की है। सेना के इस अस्पताल के विशाल परिसर में एक से दो वर्ष के भीतर यह केंद्र शुरू होने की संभावना है।

सेना अस्पताल (आर एंड आर) के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल अजित नीलकंठन ने शनिवार को अस्पताल परिसर में मीडियाकर्मियों के एक समूह के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 1200 बिस्तरों की सुविधा वाला यह अस्पताल एक 'चतुर्थक' सुविधा है तथा इसमें मुख्य रूप से तृतीयक या समान स्तर के अस्पतालों से रेफर किए गए मरीजों को उपचार प्रदान किया जाता है।

दिल्ली में 256 एकड़ में फैले अपने परिसर के साथ, यह सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) का शीर्ष चिकित्सा संस्थान है।

सेना अस्पताल (आर एंड आर) के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल अजित नीलकंठन ने कहा, कोई भी अस्पताल अद्यतन नहीं हो सकता और प्रासंगिक नहीं रह सकता, जब तक कि वह अपना विस्तार न करे और प्रौद्योगिकी एवं सुविधाओं में नवीनतम प्रगति के साथ संपर्क में न रहे। इसीलिए हमने हाल ही में सभी नवीनतम सुविधाओं के साथ एक पूर्ण ऑन्कोलॉजी (कैंसर) केंद्र का निर्माण शुरू किया है, एक नेत्र विज्ञान केंद्र का निर्माण किया जा रहा है और एक आर्थोपेडिक (हड्डी रोग विभाग) एवं ज्वाइंट प्रतिस्थापन केंद्र का भी निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि आने वाले एक-दो साल में ये बनकर तैयार हो जाएंगे।

दिल्ली हवाई अड्डे पर बम की अफवाह का मामला : नाबालिग ने 'महज मजाक में' भेजा था ईमेल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली हवाई अड्डे को ईमेल भेजकर, दुबई जाने वाले विमान में बम रखे होने की झूठी सूचना देने के आरोप में 13 वर्षीय एक लड़के को पकड़ा गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई हवाई अड्डा) ऊषा रंगनानी ने बताया कि लड़के ने कुछ दिन पहले बम की झूठी सूचना देते हुए फोन करने वाले एक अन्य किशोर से जुड़ी खबरों से प्रभावित होकर ''महज मजाक में'' ईमेल भेजा था।

रंगनानी ने बताया कि यह घटना सोमवार को हुई थी, जब 18 जून को दुबई जाने वाले विमान में बम रखे होने की धमकी के संबंध में एक शिकायत दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी दिशा निर्देश, प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया गया।

उन्होंने कहा, हवाई अड्डे को हाई अलर्ट पर रखा गया और आपात स्थिति की घोषणा की गई। रंगनानी ने बताया कि हालांकि, जांच के दौरान सूचना झूठी साबित हुई। उन्होंने कहा, जांच के दौरान यह पता चला कि ईमेल भेजने के तुरंत बाद ईमेल आईडी हटा दी गई। यह पता चला कि ईमेल उत्तरांचल के पिथौरागढ़ से भेजा गया।

मध्यप्रदेश : महिला की हत्या करके ट्रेनों में रखे शव के टुकड़े, 60 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। उज्जैन में दुष्कर्म में नाकाम रहने पर एक महिला की हत्या के बाद उसके शव के टुकड़े अलग-अलग यात्री ट्रेनों में रखने के आरोप में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रविवार को 60 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि 37 वर्षीय महिला के दोनों हाथ और दोनों पैर ऋषिकेश में एक यात्री ट्रेन में 10 जून को मिले थे, जबकि उसके शरीर के बाकी हिस्से उत्तराखंड की इस धार्मिक नगरी से करीब 1,150 किलोमीटर दूर इंदौर में एक अन्य यात्री ट्रेन से नौ जून को बरामद किए गए थे। जीआरपी की इंदौर इकाई के पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने बताया कि महिला के नृशंस हत्याकांड के आरोप में कमलेश पटेल (60) को उज्जैन से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि रतलाम जिले की रहने वाली महिला अपने पति से झगड़े के बाद छह जून को अपना घर छोड़कर चली गई थी और तलाश किए जाने पर उसका कोई पता नहीं चलने के बाद उसके परिवार ने 12 जून को बिलपांक पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कोरी ने बताया, पति से झगड़े के बाद महिला उज्जैन पहुंची और मथुरा जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर बैठी थी। पटेल महिला को फुसला कर अपने घर ले गया और उसे भोजन में नींद की गोली मिलाकर दे दी।

एसबीआई की चालू वित्त वर्ष में 400 नई शाखाएं खोलने की योजना

नई दिल्ली/भाषा। नेटवर्क विस्तार योजना के तहत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) चालू वित्त वर्ष (2024-25) में देशभर में 400 नई शाखाएं खोलने की तैयारी कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने पिछले वित्त वर्ष में 137 शाखाएं खोली हैं। इनमें से 59 नई ग्रामीण शाखाएं हैं। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, किसी ने मुझसे पूछा कि 89 प्रतिशत डिजिटल और 98 प्रतिशत लेनदेन शाखा के बाहर हो रहे हैं, क्या अब शाखा की जरूरत है। मेरा जवाब हां है। यह अब भी जरूरी है क्योंकि नए क्षेत्र उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश सलाहकार और संपदा सेवाएं केवल शाखाओं के जरिये दी जा सकती हैं। उन्होंने कहा, हम उन स्थानों की पहचान कर रहे हैं जहां संभावनाएं मौजूद हैं। उन स्थानों पर हमारी चालू वित्त वर्ष में 400 नई शाखाएं खोलने की योजना है।

मोदी सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को 'माफिया' के हवाले कर दिया: प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'नीट-यूजी' सहित राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर रविवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इसने पूरी शिक्षा प्रणाली को ''माफिया'' और ''भ्रष्टाचारियों'' के हवाले कर दिया है।

कांग्रेस नेता की इस टिप्पणी के ठीक एक दिन पहले, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षा आयोजित करने के लिए जिम्मेदार निकाय राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज की समीक्षा और परीक्षा में सुधार की सिफारिशों के लिए एक समिति गठित की है। केंद्र सरकार ने शनिवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटा दिया और मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक) में अनियमितताओं की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी।

प्रियंका ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'नीट-यूजी' परीक्षा का प्रश्नपत्र ''लीक'' हुआ, वहीं नीट-पीजी, यूजीसी नेट और सीएसआईआर-नेट ''रद्द'' कर दिए गए। उन्होंने पोस्ट में कहा, आज, देश की कुछ सबसे बड़ी परीक्षाओं का यह हाल है। भाजपा राज में समूची शिक्षा का ढांचा माफियाओं-भ्रष्टाचारियों के हवाले हो चुका है।

प्रियंका ने पोस्ट में कहा, लालची और चाटुकार किस्म के अयोग्य लोगों के हाथ में देश की शिक्षा और बच्चों का भविष्य सौंपने की राजनीतिक जिद और अहंकार ने पेपर लीक, परीक्षा रद्द, कैंपस से पढ़ाई-लिखाई का विलोप और राजनीतिक गुंडागर्दी को हमारी शिक्षा-व्यवस्था की पहचान बना दिया है। उन्होंने कहा कि हालत यह हो गई है कि भाजपा सरकार साफ-सुथरे ढंग से एक परीक्षा तक नहीं करा सकती।

पोस्ट में कहा गया है, आज युवाओं के भविष्य के सामने भाजपा सरकार एकमात्र सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी है। देश के काबिल युवा अपना बेशकीमती समय, सारी ऊर्जा भाजपा के भ्रष्टाचार से लड़ने में गंवा रहे हैं और मजबूर मोदी जी सिर्फ तमाशा देख रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में सुकमा के जंगल से जाली नोट और उपकरण जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुकमा/भाषा। सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में भारी मात्रा में जाली नोट और इन्हें छापने के लिए नक्सलियों द्वारा इस्तेमाल किए गए उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

राज्य में नक्सलियों द्वारा छापे गए जाली नोट पहली बार भारी मात्रा में बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बस्तर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में साप्ताहिक हाट में नक्सली लंबे समय से कथित तौर पर जाली नोटों का इस्तेमाल कर आदिवासियों से ठगी कर रहे थे।

सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण जी. चव्हाण का दावा है कि नक्सली भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जिले के कोरजगुडा गांव के समीप एक जंगल में शनिवार को सुरक्षाकर्मियों के संयुक्त दल के तलाश अभियान के दौरान जाली नोट जब्त की गई। चव्हाण ने इस कार्रवाई को नक्सल रोधी अभियान में एक महत्वपूर्ण सफलता बताते हुए कहा, राज्य पिछले तीन दशक से अधिक समय से इस समस्या से जूझ रहा है। राज्य में नक्सलियों द्वारा छापे गए जाली नोट पहली बार बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 50वीं बटालियन, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर 'फाइटर्स' के जवान इस अभियान में शामिल थे। उन्होंने बताया कि नक्सली सुकमा जिले के मैलासुर, कोराजगुडा और दंतेशपुरम में जाली नोट छापने में संलिप्त थे। अधिकारी ने बताया कि कोराजगुडा के निकट सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी देखकर नक्सली घने जंगल में भाग गए लेकिन अपनी वस्तुएं छोड़ गए।

केंद्र को आंध्र प्रदेश, बिहार की विशेष राज्य की मांग पर सावधानी से विचार करने की जरूरत: राजीव कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार को आंध्र प्रदेश और बिहार के विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने रविवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में इस बारे में फैसला करने से एक मिसाल कायम हो सकती है और केंद्र के वित्तीय संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ सकता है।

आंध्र प्रदेश 2014 में अपने विभाजन के बाद से राजस्व हानि के आधार पर विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहा है। उसका कहना है कि हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी बन गया है, इसलिए उसे राजस्व का नुकसान हो रहा है। बिहार भी 2005 से विशेष दर्जे की मांग कर रहा है, जब नीतीश कुमार ने इसके मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वर्ष 2000 में खनिज समृद्ध झारखंड को इससे अलग कर दिए जाने के बाद राज्य को राजस्व का नुकसान हुआ। उन्होंने एक वीडियो साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा को बताया, विशेष श्रेणी के दर्जे (एससीएस) की मांग वे (बिहार और आंध्र प्रदेश) लंबे समय से कर रहे हैं... यह एक ऐसी मांग है जिसपर बहुत सावधानी से विचार करने की जरूरत है। इसके लिए उन आर्थिक मापदंडों की विस्तार से जांच करनी होगी, जिनके आधार पर यह मांग की जा रही है।

विशेष राज्य के दर्जे वाले प्रदेशों के लिए केंद्र प्रायोजित योजनाओं में आवश्यक कोष का 90 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार देती है। दूसरी ओर सामान्य श्रेणी के राज्यों के मामले में यह योगदान 60 प्रतिशत होता है। शेष कोष राज्य सरकार देती है। कुमार ने कहा कि यदि ऐसा किया गया, तो अधिक से अधिक राज्य यही मांग करेंगे और इसका मतलब होगा कि सरकार के वित्तीय संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ेगा। इससे पहले 14वें वित्त आयोग ने केंद्र के करों में राज्यों का हिस्सा 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया था, लेकिन विशेष श्रेणी के राज्यों का दर्जा खत्म कर दिया था।

पाक सेना के लिए भेजे चीनी दूरसंचार उपकरण जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के हाथों में पहुंचे

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ों में अत्यधिक उन्नत चीनी दूरसंचार उपकरण अल्ट्रा सेट जब्त किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पाक सेना द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण आतंकवादी समूहों के हाथों में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इससे नियंत्रण रेखा के पार से होने वाली घुसपैठ और शहरों तथा गांवों के बाहरी इलाकों में आतंकवादियों के संभावित रूप से रहने की चिंता भी पैदा हो गई है।

एक अधिकारी ने कहा कि मुख्य रूप से पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर से आने वाले विदेशी आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ मोबाइल हैंडसेट की जब्ती से संकेत मिलता है कि आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान में सरकारी तंत्र द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण, हथियार और गोला-बारूद मिल रहा है। चीन की कंपनियों द्वारा पाक सेना के लिए विशेष रूप से तैयार विशेष हैंडसेटों को पिछले वर्ष 17-18 जुलाई की मध्य रात्रि को जम्मू क्षेत्र के पुंछ जिले के सुरनकोट के सिंदराह टॉप क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के बाद तथा इस वर्ष 26 अप्रैल को उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर के चेक मोहल्ला नौपोरा क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के बाद जब्त किया गया था।

नीट मामले में असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन को लेकर केंद्र की राजग सरकार पर हमला करते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को दावा किया कि देश के युवा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से माफी और सरकार से ''न्याय'' के हकदार हैं।

सरकार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि 'परीक्षा योद्धा' मोदी ने युवाओं के भविष्य पर 'युद्ध' छेड़ दिया है। ओवैसी ने 'एक्स' पर कहा, पहले नीट-यूजी (23 लाख छात्र), फिर यूजीसी-नेट (नौ लाख छात्र)। इसके बाद सीएसआईआर-नेट (दो लाख छात्र) और नीट-पीजी (दो लाख छात्र) की परीक्षा एक दिन पहले रद्द कर दी गई। इसकी जिम्मेदारी मोदी और उनके मंत्रियों की है। हमारे देश के युवा प्रधानमंत्री से माफी और उनकी सरकार से न्याय के हकदार हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कोबरा के दो जवान शहीद

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को नक्सलियों ने एक ट्रक को 'परिष्कृत विस्फोटक यंत्र' (आईईडी) से उड़ा दिया, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की विशेष इकाई 'कोबरा' के दो जवान शहीद हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट राज्य की राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों के सिलगेर और टेकलगुडेम शिविरों के बीच टिम्मापुरम गांव के पास अपराह्न करीब तीन बजे किया गया। उन्होंने बताया कि 'कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन' (कोबरा) की 201वीं इकाई के एक अग्रिम दल ने टेकलगुडेम की ओर सड़क सुरक्षा ड्यूटी के तहत जगरगुंडा पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत सिलगेर शिविर से गश्त शुरू की थी। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी एक ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार थे।

गोहत्या मामलों की राज्य स्तर पर निगरानी हो रही, एक माह में 7,000 गाय बचाईं: मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि गोहत्या के मामलों को लेकर राज्य सरकार की सतत निगरानी के कारण पिछले माह 7,000 से अधिक गायों को बचाया गया।

भोपाल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए यादव ने कानून-व्यवस्था, विशेषकर गो संरक्षण कानून, को बनाए रखने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सभी जिलों को इन कानूनों को अमल में लाने के संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं। गोहत्या निषेध कानून के उल्लंघन में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को कड़ी सजा दी जाएगी।

हम राज्य स्तर पर कार्रवाइयों की निगरानी भी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एक माह में 550 से अधिक मामले (गोहत्या निषेध कानून से संबंधित) दर्ज किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 7,000 से अधिक गायों की जान बचाई गई है। उन्होंने कहा, हमने इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त सैकड़ों लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है और हमारी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सिवनी जिले में हाल ही में हुई एक घटना के बाद मुख्यमंत्री का यह बयान आया है। सिवनी में नदी और वन क्षेत्र में 40 से अधिक गाय मृत पायी गई थीं और पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

यादव ने कहा, महाराष्ट्र के सीमावर्ती क्षेत्र सिवनी की यह घटना बड़ी है, वहां अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में एक टीम भेजी गई है, उनकी अनुशंसा पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने गोहत्या में कथित संलिप्तता के लिए दो लोगों पर कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) लगाया है और सिवनी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक का तबादला कर दिया है।

एक अन्य मामले में भी मुरैना जिले में कथित गोहत्या के लिए दो लोगों पर एनएसए लगाया गया है।

अमेरिका में मारे गए तेलुगु व्यक्ति का शव स्वदेश लाने में सहायता करूंगा : चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को राज्य के उस व्यक्ति का शव भारत वापस लाने में मदद करने का वादा किया जिसकी हाल ही में अमेरिका में कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी।

मुख्यमंत्री ने मृत व्यक्ति के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने उसके परिजनों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद देने का वादा किया। मृतक बापटला जिले का रहने वाला था। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह जानकर बहुत दुख हुआ कि बापटला के एक युवक (दसारी गोपीकृष्ण) ने अमेरिका के टेक्सास में गोलीबारी की घटना में घायल होने के कारण दम तोड़ दिया। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और उन्हें आश्वासन देता हूं... उनके शव को घर लाने में हर संभव मदद करूंगा। बापटला जिले के याजली गांव के 32 वर्षीय गोपीकृष्ण लगभग एक साल पहले काम के लिए अमेरिका गए थे और शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार लगभग 11:30 बजे खुदरा दुकान (जहां वह काम कर रहे थे) पर एक चोर ने कथित तौर पर उन्हें गोली मार दी। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें नकाबपोश चोर भारतीय युवक को कई गोली मारता दिख रहा है।

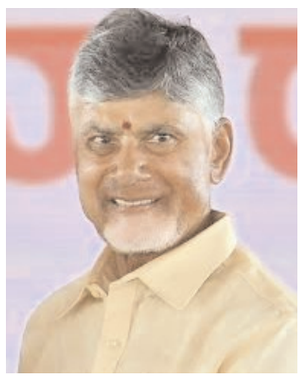

जहरीली शराब कांड को लेकर भाजपा ने 'इंडि' गठबंधन पर साधा निशाना, सीबीआई जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु में जहरीली शराब त्रासदी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को विपक्षी 'इंडि' गठबंधन पर हमला बोला और इस मुद्दे पर कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के शीर्ष नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की और कांग्रेस से कहा कि वह इस मुद्दे को सिर्फ इसलिए नजरअंदाज नहीं कर सकती क्योंकि द्रमुक उसकी सहयोगी है। भाजपा ने यह उम्मीद भी जताई कि इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोलने वाले विपक्षी गठबंधन के नेता संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास एकत्रित होकर और पीड़ितों के लिए मौन रखकर कम से कम पश्चाताप तो करेंगे।

सीतारमण ने कहा, ''मैं इस घटना से स्तब्ध हूं और इस घटना की कड़ी निंदा करती हूं। मुझे इससे भी ज्यादा आश्चर्य इस बात पर हुआ है कि कांग्रेस पार्टी ने इस घटना के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहां हैं? राहुल गांधी कहां हैं? क्या उन्हें तमिलनाडु के लोगों के प्रति कोई सहानुभूति या परवाह नहीं है? क्या उन्हें तमिलनाडु के अनुसूचित जातियों की कोई परवाह नहीं है?''

कांग्रेस पर उत्तर और दक्षिण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि वे दक्षिण के वोटों की बात करते हैं और वहां इसलिए चुनाव लड़ते हैं क्योंकि उन्हें भरोसा है कि वे जीत जाएंगे। उन्होंने कहा, ''लेकिन, आज जब तमिलनाडु में उनके गठबंधन सहयोगी, द्रुमक शासित सरकार ने नकली शराब की वजह से दलितों की मौत पर आंखें मूंद लीं तो मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी दोनों की तरफ से कोई बयान नहीं आया।'' सीतारमण ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक का राज्य में जहरीली शराब बेचने वालों की मदद करने में हाथ है।

उन्होंने कहा, ''अगर राज्य सरकार इसकी जांच करेगी तो मामला रफा-दफा करने का प्रयास किया जाएगा। इसलिए मैं मांग करती हूं कि इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए और इसके पीछे जो लोग हैं, उन्हें गिरफ्तार

करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।'' सीतारमण ने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने इस मुद्दे से निपटने में पूरी तरह से ''अक्षमता'' दिखाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में विधानसभा में भी चर्चा की अनुमति नहीं दी है। उन्होंने कहा, जिस राज्य में शराब बंदी जैसी व्यवस्था नहीं है, जहां तमिलनाडु सरकार द्वारा संचालित लाइसेंसी दुकानों से शराब मिलती है, जिसे 'तस्माक' कहते हैं। उसके बावजूद शहर के बीचों-बीच कल्लाकुरिची में लोगों को अवैध शराब और रासायनिक शराब वितरित की जाती है, जिसे पीने से 56 लोगों की मौत हो जाती है। सभी गरीब अनुसूचित जाति परिवार से हैं। भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की भी आलोचना की और उनसे यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या राज्य के कल्लाकुरिची जिले में हुई इस घटना में उनकी ''मिलीभगत'' है। उन्होंने कहा, 56 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है... कई अभी भी गंभीर हैं। जहरीली शराब पीने से मरने वालों में 40 से अधिक दलित थे। यह राज्य प्रायोजित हत्या है और मुझे आश्चर्य है कि कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और सोनिया गांधी, द्रमुक के नेता और 'इंडि' गठबंधन के अन्य घटक इस पर चुप हैं।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि ऐसा लगता है कि वे इस मुद्दे पर चुप हैं क्योंकि उन्हें इसमें राजनीतिक लाभ नहीं दिखता है।

पात्रा ने कहा, ''जब कल से संसद सत्र शुरू होगा तो मुझे उम्मीद है कि 'इंडि' गठबंधन के नेता महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास जाएंगे और बांहों पर काली पट्टी बांधकर मौन धारण करेंगे और त्रासदी में लोगों की मौत का पश्चाताप करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''महात्मा गांधी अवैध शराब के खिलाफ थे। गांधीजी की प्रतिमा आपका इंतजार कर रही है, उनके सिद्धांत आपका इंतजार कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधते हुए पात्रा ने उनकी सरकार और द्रमुक नेताओं पर जहरीली शराब त्रासदी में मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''अपने पहले बयान में जिला कलेक्टर ने शुरू में इस बात से इनकार किया था कि लोगों की मौत जहरीली शराब पीने से हुई है। उन्हें ऐसा करने के लिए कहा गया क्योंकि विधानसभा सत्र अगले ही दिन शुरू होने वाला था।''

उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के इनकार के कारण, जिन लोगों के पास नकली शराब का भंडारण था, वे इसका सेवन करते रहे और अगले दिन 12 से अधिक लोगों की मौत हो गई। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, निश्चित तौर पर इसमें तमिलनाडु सरकार की मिलीभगत है। मुख्यमंत्री का व्यवहार देखिए। मैं हैरान हूं कि इतनी बड़ी त्रासदी ने राज्य को दहला दिया है, फिर भी मुख्यमंत्री वहां गए नहीं हैं। जब तक मैं यह संवाददाता सम्मेलन करने के लिए आया, उन्होंने (स्टालिन) मारे गए लोगों के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात नहीं की। भाजपा नेता ने कहा, क्या मुख्यमंत्री को इस मामले पर बयान नहीं देना चाहिए।

'जहरीली शराब त्रासदी के पीड़ितों ने लापरवाही बरती, हद पार की'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कल्लाकुरिची। अभिनेता से राजनीतिक नेता बने कमल हासन ने रविवार को कहा कि यहां जहरीली शराब त्रासदी के पीड़ितों ने लापरवाही बरती और वे अपनी हद पार कर गए थे। इस घटना में 53 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में पर्याप्त शराब उपलब्ध है; सरकारी टीएएसएमएसी की खुदरा शराब

दुकानों की संख्या दवा दुकानों से अधिक है।

मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक हासन यहां एक अस्पताल में त्रासदी के जीवित बचे लोगों से मिलने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह सकता कि मुझे इन पीड़ितों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। लेकिन इन पीड़ितों को यह समझना होगा कि उन्होंने अपनी सीमा पार कर दी थी, और उन्होंने लापरवाही बरती। उन्हें सावधान रहना होगा, उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

राज्यों को जीएसटी का 60 प्रतिशत हिस्सा मिलना चाहिए, केरल के वित्त मंत्री ने जीएसटी परिषद में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के वित्त मंत्री के एन बालागोपाल ने केंद्र और राज्यों के बीच वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बंटवारे की समीक्षा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इसका 60 प्रतिशत हिस्सा राज्यों को मिलना चाहिए, जबकि अभी इसे बराबर बराबर बांटा जाता है।

मंत्री ने शनिवार को नयी दिल्ली में आयोजित जीएसटी परिषद की बैठक में कहा कि इस समय यह अनुपात 50:50 है और इसे राज्यों के पक्ष में 40:60 करना चाहिए।

बालागोपाल के कार्यालय ने रविवार को यहां एक बयान में यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) के संबंध में लिए गए अनुकूल निर्णय से केरल को लाभ मिलने की उम्मीद है। आमतौर पर जीएसटीआर-8 रिटर्न में ई-कॉमर्स परिचालक द्वारा लिए गए जीएसटी का ब्यौरा भरना होता है। बैठक में यह फैसला किया गया कि जीएसटीआर-8 रिटर्न में कर की राशि के साथ ही कर किस राज्य को जाना चाहिए, इसका विवरण भी शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है, जिससे केरल को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुलाकात दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम् ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की।

नीट-पीजी, यूजीसी-नेट को रद्द करना एक अक्षम प्रणाली के ताबूत में ''आखिरी कील'' : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को कहा कि नीट-पीजी और यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द करना एक बार की घटना नहीं है, बल्कि यह केंद्रीकृत चयन की अक्षम और खस्ताहाल प्रणाली के ताबूत में आखिरी कील है। स्टालिन की पार्टी द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सामाजिक न्याय के अलावा अन्य आधारों पर राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) का विरोध करती रही है। उन्होंने स्कूली शिक्षा को करियर का आधार बनाने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट-पीजी को रद्द करने से हजारों डॉक्टर ''गहरी निराशा'' में फंस गए हैं। उन्होंने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमें यह तथ्य नहीं भूलना चाहिए कि ये घटनाएं एक बार की घटना नहीं है, बल्कि केंद्रीकृत चयन की अक्षम और खस्ताहाल प्रणाली के ताबूत में आखिरी कील है।'' उन्होंने कहा, चूंकि यह घोटाला उजागर हो रहा है, इसलिए हमें बेहतर भविष्य के लिए योजना बनानी चाहिए। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए निष्पक्ष और न्यायसंगत चयन प्रक्रिया बनाने, स्कूली शिक्षा की प्राथमिकता सुनिश्चित करने और इसे करियर का आधार बनाने एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए चयन प्रक्रिया निर्धारित करने को लेकर राज्यों के अधिकारों को बहाल करने के संबंध में हाथ मिलाना चाहिए। सत्तारूढ़ द्रमुक के प्रमुख ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे छात्रों और उनके परिवारों के मन में आशा और विश्वास को फिर से बहाल करना चाहिए।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि उसने कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता पर हाल में लगे आरोपों के मद्देनजर एहतियाती कदम'' के रूप में रविवार को होने वाली नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा को स्थगित करने का फैसला किया है।

केलू ने केरल सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम। केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) विधायक ओ आर केलू ने रविवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में राजभवन में माकपा नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नये मंत्री को पद की शपथ दिलायी। इस दौरान मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, उनके मंत्रिमंडल सहयोगी, उनकी पार्टी के विधायक, नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीसन और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेता पी के कुन्हालीकुट्टी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वायनाड के आदिवासी समुदाय से आने वाले माकपा नेता केलू (54) ने के. राधाकृष्णन की जगह ली है। राधाकृष्णन ने अलाथुर से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण, संसदीय मामलों और देवस्वओम मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। केलू को माकपा की राज्य समिति ने एलडीएफ मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शामिल करने की सिफारिश की थी।

यूनियन बैंक Union Bank of India
(भारत सरकार का उद्यम)
क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई (दक्षिण)
38 और 39, व्हाइट्स रोड, रोयापेट्टा,
चेन्नई-600014 (टेलीफोन: 044-28523104)
शोलिंगनल्लूर में पट्टे पर परिसर की आवश्यकता
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को **शोलिंगनल्लूर**, चेन्नई में हमारी प्रस्तावित शाखा के लिए **2000 वर्ग फीट ± 10% कारपेट** एरिया वाला परिसर चाहिए, जो अधिमानतः भूतल पर हो, या हमारे विनिर्देशों के अनुसार किराए के लिए निर्माणाधीन हो, जिसका आगे का भाग अच्छा हो, मुख्य सड़क की ओर हो और जिसमें पर्याप्त पार्किंग हो।
संभावित आवेदक जिनके पास स्पष्ट स्वामित्व हो या मालिकों की ओर से बातचीत करने का अधिकार हो, वे बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** और ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.eprocure.gov.in** से आवेदन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।
या यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई उत्तर, व्हाइट्स रोड, चेन्नई से **24.06.2024** से कार्यालय समय के दौरान प्रारूप प्राप्त करें और अपनी तकनीकी बोली/मूल्य बोली **15.07.2024** को या उससे पहले 3.30 बजे तक क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई दक्षिण में जमा कर दें। तकनीकी बोली **15.07.2024 को शाम 4.00 बजे** उपरोक्त पते पर आवेदकों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएगी। कृपया कोई दलाल या बिचौलिया न आएं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी/अर्धसरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
दिनांक: 24.06.2024 **क्षेत्र प्रमुख**
चेन्नई

कोच्चि हवाई अड्डे पर 19 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, दो तंजानियाई यात्री गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल में कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो तंजानियाई यात्रियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 19 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की गयी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने विशिष्ट सूचना के आधार पर हवाई अड्डे पर एक पुरुष और एक महिला यात्री को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर कोकीन की तस्करी करने का आरोप है।

डीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह यात्रियों की एक्स-रे जांच की गई थी, जिसमें उनके पेट में कुछ कैप्सूल पाए गए थे। दोनों यात्रियों को हवाई अड्डे के निकट एक निजी अस्पताल ले जाया गया और उनके शरीर से नशीली दवा की गोलियां निकाली गईं। डीआरआई के अधिकारी ने कहा, दोनों के पेट से करीब 100 कैप्सूल बरामद किए गए और जांच में सभी में कोकीन पाया गया। कुल 1,945 ग्राम कोकीन जब्त की गई, जिसकी कीमत 19 करोड़ रुपये बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को 20 जून को गिरफ्तार कर लिया गया और पुरुष यात्री को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। महिला यात्री की भी जांच की गई और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जॉय लुक्कास ने अन्ना नगर में नए शोरूम का क्या शुभारंभ

चेन्नई। आभूषण व्यवसाय में विश्व प्रसिद्ध जॉय लुक्कास ने शनिवार को अन्ना नगर में अपने नए भव्य शोरूम का शुभारंभ किया। अपने उत्कृष्ट आभूषणों के हजारों वैराइटीज के साथ जॉय लुक्कास बेहतर खरीददारी के लिए ग्राहकों के लिए उपयुक्त स्थान है। इस विश्व स्तरीय शोरूम को आकर्षक बनाने के लिए इसे सावधानी पूर्वक डिजाइन किया गया है। शोरूम का उद्घाटन शनिवार को सायं 5 बजे अन्ना नगर के एमएलए थिरु एमके मोहन तमिल फिल्म अभिनेता थिरु त्यागराजन, थिरु प्रशांत, तमिल फिल्म अभिनेत्री सुश्री दिव्या दर्शनि, थिरु सुंदर मूर्ति ने मिलकर किया। इस अवसर पर जॉय लुक्कास के कार्यकारी निदेशक थॉमस मैथ्यू, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेनरी जॉर्ज महाप्रबंधक पी डी जोश सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

'भारत के सही कानूनी इतिहास को समझने की जरूरत'

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को देश के सही कानूनी इतिहास को समझने की जरूरत पर जोर दिया क्योंकि देश की कानूनी प्रणाली औपनिवेशिक शासकों के नजरिए से स्थापित की गई थी। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मेघवाल ने यहां एक सम्मेलन में कहा कि औपनिवेशिक काल के दौरान भारत में बनाए गए कानूनों में तत्कालीन भारतीय लोकाचार और सामाजिक वास्तविकताओं की अनदेखी की गई तथा वे औपनिवेशिक शासकों की आवश्यकताओं के नजरिये पर आधारित थे।

केंद्रीय मंत्री ने यहां वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वंडालूर में आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील मार्ग' विषय पर आयोजित सम्मेलन में यह टिप्पणी की। यह इस श्रृंखला का चौथा सम्मेलन है। इससे पहले यह सम्मेलन दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता में आयोजित हुए थे, जिसमें उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधियों और छात्रों ने भाग लिया था।

मेघवाल ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार ने गुलाम मानसिकता वाले पुराने कानूनों को हटाकर भारतीयता और न्याय की मूल भावना को समाहित करते हुए तीन नए कानून-भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-बनाए हैं। ये कानून एक जुलाई से पूरे देश में लागू होंगे।'' केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने कहा कि आजादी के लगभग आठ दशक बाद राष्ट्र को अपनी न्याय प्रणाली तथा औपनिवेशिक काल के कानूनों को बदलने की पहल की आवश्यकता है।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38
रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना वर्ष 2024
रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) सभी भारतीयों के लिए हिंदी में रेल यात्रा वृत्तांत प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है, जिसमें निम्नानुसार राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिए जाने का प्रावधान है:-

प्रथम पुरस्कार (एक)	:	10,000/-रु.
द्वितीय पुरस्कार (एक)	:	8,000/-रु.
तृतीय पुरस्कार (एक)	:	6,000/-रु.
प्रेरणा पुरस्कार (पांच)	:	4,000/-रु. प्रत्येक

रेल यात्रा वृत्तांत हिंदी भाषा में होना चाहिए और मौलिक होना चाहिए तथा न्यूनतम 3000 शब्दों एवं अधिकतम 3500 शब्दों तक होना चाहिए। यह डबल स्पेस में टाइप किया हुआ, चारों तरफ कम-से- कम एक इंच का हाशिया छोड़ा हुआ हो और पृष्ठ संख्या अंकित हो। शब्दों की कुल संख्या लिखी होनी चाहिए। वृत्तांत के प्रारंभ में एक अलग कागज में बड़े अक्षरों में नाम, पदनाम, आयु, कार्यालय / निवास का पता, मातृभाषा, मोबाइल नं., ई-मेल, वृत्तांत के शब्दों की संख्या आदि का उल्लेख किया जाना चाहिए।

इस योजना में भाग लेने के इच्छुक केंद्रीय अथवा राज्य सरकार की सेवा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार का सतर्कता / अनुशासन एवं अपील नियम से संबंधित मामला लंबित या विचाराधीन नहीं है। जो आवेदक सरकारी सेवा में नहीं हैं, उन्हें इस आशय का घोषणा पत्र देना होगा कि उनके खिलाफ न तो किसी प्रकार का आपराधिक मामला चल रहा है और नही वे किसी प्रकार की सजा भुगत रहे हैं। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को घोषणा पत्र में यह भी उल्लेख करना होगा कि - **"संबंधित रेल यात्रा वृत्तांत मेरी मौलिक रचना है, इसे किसी अन्य पुरस्कार योजना के अंतर्गत पुरस्कृत नहीं किया गया है।"**

प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि दो प्रतियों में 31.07.2024 तक सहायक निदेशक, हिंदी (प्रशिक्षण), कमरा न.-316, कॉफमो रेल कार्यालय परिसर, तिलक ब्रिज, आईटीओ, नई दिल्ली -110002 को निरापवाद रूप से भिजवा दें। वृत्तांत की एकल प्रति प्राप्त होने पर प्रविष्टि रद्द कर दी जाएगी। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर मंत्रालय द्वारा विचार नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी ने वायनाड के लोगों को लिखा भावुक पत्र, कहा- बिना शर्त स्नेह ने उनकी रक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने रविवार को वायनाड के लोगों को लिखे एक भावुक पत्र में कहा कि जब उन्हें रोजाना दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता था तो उनके (वायनाड वासियों के) बिना शर्त प्यार ने उनकी रक्षा की। राहुल ने केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों से जीत हासिल की थी और उन्हें चार जून को आए लोकसभा परिणामों के 14 दिनों के भीतर इनमें से एक सीट खाली करनी थी। उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी और उनकी बहन एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आगामी उपचुनाव में वहां से चुनाव लड़ेंगी।

राहुल ने पत्र में लिखा है, मैं आपके लिए अनजान था और फिर भी आपने मुझपर विश्वास किया। आपने मुझे असीम प्रेम और स्नेह से गले लगाया। यह मायने नहीं रखा कि आप किस राजनीतिक दल का समर्थन करते थे, आप किस समुदाय से थे या आप किस धर्म को मानते थे अथवा आप कौन सी भाषा बोलते थे। उन्होंने कहा, जब मैं रोज दुर्व्यवहार का सामना करता था, तो आपके बिना शर्त प्यार ने मेरी रक्षा की। आपने मुझे पनाह दी, आप मेरा घर और मेरा परिवार थे। मुझे एक पल के लिए भी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि आपको मुझ पर संदेह है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर जनता ने उनकी बहन प्रियंका गांधी को मौका दिया तो वह वायनाड का प्रतिनिधित्व करेंगी। राहुल ने विश्वास जताया कि प्रियंका सांसद के तौर पर बेहतरीन काम करेंगी। नयी दिल्ली में नेतृत्व की बैठक के बाद कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने 17 जून को कहा था कि राहुल उत्तर प्रदेश में रायबरेली लोकसभा सीट अपने पास रखेंगे और वायनाड सीट खाली कर देंगे, जहां से उनकी बहन प्रियंका चुनाव लड़ेंगी। राहुल ने रविवार को लिखे अपने पत्र में यह भी कहा कि वह उस बहादुरी, खूबसूरती और आत्मविश्वास'' को नहीं भूल सकते जिसके साथ लड़कियां हजारों लोगों के सामने उनके भाषणों का अनुवाद करती हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, आपने मेरे लिए जो किया है, उसके लिए मैं आपको कैसे धन्यवाद दूं, यह मैं नहीं जानता। आपने मुझे उस समय प्यार और सुरक्षा दी, जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। आप मेरे परिवार का हिस्सा हैं और मैं हमेशा आप सभी के लिए मौजूद रहूंगा।

पावरग्रिड POWERGRID
पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
एसआरटीएस-II आरएचक्यू, आरटीओ ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के पास
सिंगनायकनहल्ली, येलाहंका, बैंगलोर 64, फोनः 080 2309 3725/23093727
पावरग्रिड, भारत सरकार का उपक्रम चेन्नई में ट्रांजिट कैंप आवास की स्थापना के लिए सीलबंद बोलियां आमंत्रित करता है।
निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी)
Ref No.: SR-II/C&M/2024/WC-3933, published on 24.06.2024 (Tender ID:24230)
पावरग्रिड, भारत सरकार का एक उपक्रम, चेन्नई में ट्रांजिट कैंप आवास की स्थापना के लिए इच्छुक मालिकों, जिनके प्रस्तावित परिसर अच्छे पहुंच के साथ आवासीय संपत्ति वाले हों, जो एक मंजिला/डुप्लेक्स हों, या बहुमंजिला अपार्टमेंट में 2 यूनिट हों, जो अधिमानतः एक ही मंजिल पर और टी. नगर, कोडंबक्कम, अशोक नगर, अन्ना नगर, नुंगमबक्कम, एग्मोर, मायलापुर, संथोम, अलवरपेट, आरए पुरम, गिंडी, सैदापेट, बेसेंट नगर, नंदनम, तेयनाम्पेट, अड्यार, कोट्टूरपुरम आदि के अच्छे आवासीय क्षेत्रों और ऊपर वर्णित स्थानों के 1 किमी के आसपास के क्षेत्र में स्थित हों, से 3 साल के लिए सीलबंद बोलियां आमंत्रित करता है और इसे आपसी सहमति से दरों, नियमों और -शर्तों पर 2 साल की अवधि के लिए बढ़ाया जाएगा।
इमारत में कम से कम 8 कमरे होंगे जिनका उपयोग ट्रांजिट कैंप की जरूरत के अनुरूप बेडरूम, किचन, हॉल और डाइनिंग रूम के रूप में किया जाएगा और जिसमें कम से कम 2 चार पहिया वाहनों के लिए बंद आरक्षित पार्किंग स्थान होगा।
संपूर्ण बोली दस्तावेज www.powergridindia.com से डाउनलोड किया जा सकता है या व्यक्तिगत रूप से/पत्र द्वारा अनुरोध करके उपरोक्त पते से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। वास्तविक मालिक/प्रतिष्ठित रियल एस्टेट एजेंसियां (मालिकों की ओर से) एकल चरण दो बोली प्रणाली में आवेदन कर सकती हैं। सीलबंद और विधिवत भरे हुए प्रस्ताव 09/07/2024 तक 15:00 बजे तक उपरोक्त पते पर व्यक्तिगत रूप से/डाक/कूरियर से जमा किए जाने चाहिए। तकनीकी-उचयव्यावसायिक प्रस्ताव उसी दिन 15:30 बजे खोले जाएंगे।
Save Energy for the benefit of Self & Nation

पुलिस के साथ मारपीट करने के मामले में नौ लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर के एनईबी थाने के आदतन अपराधी फिरोज खान द्वारा पुलिस के साथ मारपीट कर पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ कर भागने के मामले में रविवार को पुलिस एक्शन में दिखाई दी और उम्मीद जताई जा रही है कि अब इसके घर बुलडोजर चलाया जाएगा।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल सिंह ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर फिरोज खान के मामले में 24 लोगों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया गया है और सभी के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की टीमें इन बदमाशों का पीछा कर रही हैं । इस मामले में अब तक नौ लोग गिरफ्तार किए गए हैं। मुख्य आरोपी फिरोज खान अभी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं ।

उन्होंने बताया कि जितने भी लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं उनके संपत्तियों की जांच की जा रही है इस मामले में मुख्य आरोपी फरार है। परिवार के लोग मकान को छोड़कर भाग गए हैं। पुलिस उनकी भी तलाश कर रही है। वैशाली नगर थाना क्षेत्र स्थित मन्नाका इलाके में जहां यह वारदात हुई थी वहां पर पुलिस छावनी बना हुआ है क्योंकि नगर विकास न्यास और राजस्व विभाग द्वारा उनके मकान और संपत्तियों की जांच की जा रही है और पाया गया है कि उनके निर्माण में कुछ सरकारी जमीन आई हुई है। जिस पर विभाग नियमानुसार कार्रवाई करेगी।

राजस्व विभाग और यूआईटी उस पर नियम अनुसार कार्रवाई करेगी। पुलिस विभाग पुलिस सहायता उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है यहां उम्मीद जताई जा रही है की पैमाइश के बाद अब उनके घरों पर और अन्य निर्माण कार्यों पर बुलडोजर चलाया जाएगा।

यहां उल्लेखनीय है कि अलवर शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर फिरोज खान को पकड़ने गई पुलिस पर बीती रात स्थानीय लोगों ने और परिजनों ने पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी थी और आरोपी को पुलिस गिरफ्त से छुड़ा लिया था। पुलिस के साथ धक्का मुक्की भी की गई थी पुलिस ने बदमाशों का पीछा भी किया लेकिन पकड़ में नहीं आए। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी थी।

उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए राज्य बजट में शामिल किए जाएंगे शिक्षकों के सुझाव : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धौलपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शिक्षकों को विद्यार्थियों के मित्र एवं मार्गदर्शक तथा उनकी राष्ट्रनिर्माण में अहम भूमिका बताते हुए कहा है कि उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए इनके सुझाव राज्य बजट में शामिल किए जाएंगे। शर्मा रविवार को धौलपुर जिले के बाड़ी स्थित ग्राम बिजोली में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश महासमिति अधिवेशन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षित और सक्षम नागरिक ही राष्ट्र की प्रगति का आधार होते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना और संस्कारों का समावेश कर उन्हें कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं और राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने शिष्य का मित्र, मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत होता है। विद्यार्थी स्कूल में जो कुछ सीखते हैं वह उनके जीवन को दिशा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन काल से ही हमारे समाज में शिक्षक का महत्व सर्वोपरि रहा है। हमारी संस्कृति में गुरु-शिष्य परम्परा का विषय स्थान हैं। कबीर दासजी ने तो गुरु गोविन्द दोउ खड़े... दोहे के माध्यम से गुरु की महत्ता ईश्वर से भी अधिक बताई है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार भी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने तथा शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक की मदद से उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी वंचित वर्गों को शिक्षा मुहैया करवाने के लिए अंतरिम बजट में अल्प आय वर्ग, लघु/सीमांत/बंटाईदार किसानों और खेतीहर श्रमिकों के बच्चों को केजी से पीजी तक की निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान किया है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अपने आगामी बजट में शिक्षकों से उनके सुझाव आमंत्रित किए हैं। सर्वश्रेष्ठ सुझावों को सरकार बजट में शामिल करेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े सुधार हो रहे हैं। विद्यार्थियों में रचनात्मकता और समस्या समाधान का कौशल विकसित करने के लिए केन्द्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लाई है। यह शिक्षा नीति शिक्षा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगी और शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुखी बनाने तथा विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में मदद करेगी। इस नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा।

शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। आज देश में 21 आईआईएम, 23 आईआईटी, 22 एम्स हैं। पिछले 10 वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी लगभग दोगुनी हो गई है। हमारे प्रमुख संस्थानों के कैम्पस विदेशों में भी खुल रहे हैं। अबूधाबी में आईआईटी दिल्ली तथा तंजानिया में आईआईटी मद्रास का कैम्पस शुरू हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक संघ का भी दायित्व है कि वे शिक्षकों के हितों के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी विकास के साथ ही शिक्षण विधियों में बदलाव लाने की आवश्यकता है। शर्मा ने कहा कि शिक्षकों की नागरिक होने के साथ ही शिक्षक के रूप में समाज के प्रति दोहरी जिम्मेदारी है। वे अपने आस-पास के प्रत्येक वंचित और जरूरतमंद को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

राजस्थान के विधायक के खिलाफ धमकी भरा पोस्ट करने का आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/जयपुर। राजस्थान के विधायक रविंद्र सिंह भाटी को जान से मारने की धमकी भरा पोस्ट करने के आरोपी को पुलिस ने गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अहमदाबाद अपराध शाखा के अधिकारियों ने राजस्थान के बालोतरा जिले के निवासी किशनलाल जाट को शनिवार को यहां रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया।

उसने बताया कि आरोपी के पास से एक पिस्तौल और नौ कारतूस भी बरामद किए हैं। आरोपी ने विधायक को निशाना बनाने के इरादे से ये हथियार मध्य प्रदेश से खरीदे थे। पूछताछ के दौरान जाट ने अपराध शाखा के अधिकारियों को बताया कि वह राजस्थान के गीडा पुलिस द्वारा भारतीय दंड संहिता की धाराओं 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 341 (गलत तरीके से रोकना) और 392 (डकैती) के तहत दर्ज एक मामले में भी वांछित था।

अहमदाबाद अपराध शाखा के अनुसार, किशनलाल जाट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लगभग एक महीने पहले एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें उसने कथित तौर पर शिवपुर विधानसभा सीट से विधायक भाटी को जान से मारने की धमकी दी थी। उसने बताया कि आरोपी ने विधायक की हत्या करने के इरादे से मध्य प्रदेश से कथित तौर पर पिस्तौल और 10 कारतूस खरीदे थे। अपराध शाखा ने बताया कि उसने अपनी मोटरसाइकिल की सीट के नीचे हथियार छिपा रखा था, पुलिस ने इन्हें जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को राजस्थान पुलिस को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है।

'डीएनए टेस्ट' बयान को लेकर राजस्थान के शिक्षा मंत्री और बांसवाड़ा के सांसद के बीच वाकयुद्ध

जयपुर। बांसवाड़ा के सांसद और भारत आदिवासी पार्टी के नेता राजकुमार रोत ने अपने बारे में राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की डीएनए टेस्ट टिप्पणी को लेकर उन पर पलटवार किया और कहा कि मंत्री की मानसिकता की जांच की जानी चाहिए। दिलावर ने एक विवादित बयान देते हुए कहा कि अगर बीएपी नेता खुद को हिंदू नहीं मानते तो यह सत्यापित करने के लिए डीएनए टेस्ट किया जाना चाहिए कि वह हिंदू के बेटे हैं या नहीं। रोत ने हाल में कहा था कि वह एक आदिवासी समुदाय से हैं और हिंदू धर्म समेत विभिन्न धर्मों से अलग आस्था रखते हैं। शनिवार को उदयपुर में एक कार्यक्रम में दिलावर ने कहा कि आदिवासी समुदाय हिंदू समुदाय का एक अभिन्न अंग है और उम्मीद है कि आदिवासी लोग कुछ लोगों के बहकावे में नहीं आएंगे। जवाब में रोत ने कहा कि मंत्री की मानसिकता की जांच की जानी चाहिए। रोत ने एक वीडियो बयान जारी कर मंत्री की टिप्पणी की निंदा की। उन्होंने कहा, आप डीएनए टेस्ट, पूर्वजों की बात कर रहे हैं, यह आप पर भी लागू होता है। आपकी मानसिकता की जांच होनी चाहिए। ऐसी भाषा आपको शोभा नहीं देती, आप मंत्री पद पर हैं। रोत ने कहा, अगर आप आदिवासी समुदाय के बारे में बात करना चाहते हैं, तो हमें बताएं कि आप पिछले छह महीनों में आदिवासियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में क्या बदलाव लाए हैं।

बाड़मेर जिले में कबाड़ के गोदाम में लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में रविवार तड़के कबाड़ के एक गोदाम में आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में फिलहाल किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। उसने बताया कि गोदाम रिहायशी इलाके में स्थित है।

पुलिस ने बताया कि गोदाम में आग लगने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। उसने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता के लिए जयपुर में निकाली मोटरसाइकिल रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में रविवार को मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता के लिए मोटरसाइकिल रैली निकालकर लोगों को जागृत किया। मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ नशा मुक्त भारत पखवाड़ा 12 से 26 जून के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी की अध्यक्षता में इस रैली का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ थे।

जोसफ और सोनी ने विद्याधरनगर केंद्रीय सदन से इस मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली विद्याधर नगर से शुरू होकर खासा कोठी सर्किल, एम आई रोड ,अजमेरी गेट होते हुए, जे एल एन मार्ग से पत्रिका गेट ,जवाहर सर्किल पहुंची। इसके बाद रैली टोंक रोड होते हुए अहिंसा सर्किल , एम आई रोड होते हुए वापस केंद्रीय सदन पहुंची।

इस अवसर पर सोनी ने कहा हमारा प्रयास है कि नशे की प्रवृत्ति से प्रभावित लोगों को ध्यान में रखते हुए उन्हें नशे से दूर करने के लिए जागरूक करें। हमारा दायित्व है कि हम इस संदेश को पूरे समाज तक पहुँचाए। हम सभी इसी समाज से जुड़े हुए हैं । 'नशे से आजादी' , 'जीवन को हां कहें, ड्रग्स को ना' के ध्येय वाक्य को हमेशा ध्यान में रखें । उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस के सहयोग से आज से ऑपरेशन कवच का आगाज किया ।

इसमें छोटे पान वाले से लेकर से बड़े तस्कर गिरोह के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी एवं तस्करी की शृंखला को तोडा जाएगा एवं संलिप्त व्यक्तियों की संपत्तीया जब्त की जाएगी । जोसफ ने कहा कि वर्तमान में युवाओं में नशा तेजी से फैल रहा है। इसके नियंत्रण के लिए हम सभी को आगे होकर कार्य करना होगा। इसके खिलाफ सभी को जागरूक किया जाना आवश्यक है ।यहां तक कि स्कूली बच्चे भी इसके आदी हो रहे हैं और अपराध की तरफ बढ़ रहे हैं।

पौधारोपण

जयपुर में रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय जयपुर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने पौधारोपण किया। इस दौरान पार्टी के अन्य पदाधिकारी व भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का प्रदेश में किया शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में रविवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने भी अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री आवास पर अपनी माताजी श्रीमती गोमती देवी के साथ बेल का पौधा लगाया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ हमारे परम मित्र हैं और हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ ही पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में वृक्षारोपण करें तथा पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने में अपना योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि गत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया था। उन्होंने नई दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पेड़ लगाते हुए देशवासियों से आग्रह किया था कि वे सभी अपनी माताजी के नाम पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं।

सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने जसोल धाम पहुंच कर किए देव दर्शन

जयपुर। सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने रविवार को जसोल धाम पहुंच कर देव दर्शन किए। रविवार को सहकारिता मंत्री एक दिवसीय यात्रा के दौरान जसोलधाम पहुंचे। जहां उन्होंने जगत जननी श्री राणीसा भटियाणीसा के दर्शन पूजन किए। सहकारिता मंत्री श्री गौतम दक के जसोल धाम पहुंचने पर श्री राणी भटियाणी मन्दिर संस्थान की ओर से स्वागत किया गया।

सहकारिता मंत्री ने जसोलधाम में जसोल माँ के दर्शन कर प्रदेश में खुशहाली की मंगल कामना की।

मानसून में पौधे लगा करें प्रकृति का संरक्षण : सहकारिता मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान बालोतरा पहुंचे। अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने नाकोड़ा तीर्थ स्थल का दर्शन कर वृक्षारोपण किया। सहकारिता मंत्री श्री दक ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस मानसून सत्र में विभिन्न सहकारी संस्थाओं में अधिकाधिक पौधे लगाये जाए और प्रकृति संरक्षण में सहकारी संस्थाएं महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाए। श्री दक ने बाड़मेर व बालोतरा जिले में दो हजार से अधिक और जोधपुर जोन में दस हजार से अधिक पौधे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि पौधारोपण पश्चात उचित सार संभाल भी की जाए।

इस दौरान सहकारिता विभाग से शुद्धोधन उज्वल अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां जोधपुर जोन और अनिल बिश्नोई, प्रबंध निदेशक बाड़मेर सेंट्रल को ऑपरेटिव बैंक उपस्थित रहे।

राजस्थान विधानसभा देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की ओर अग्रसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के प्रभावी संचालन और नवाचारों से राजस्थान विधानसभा की देश में अनूठी पहचान बनी हैं और वह सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की और अग्रसर होने लगी है। देवनानी ने हाल में 21 जून को ही राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के 18वें अध्यक्ष बनने के अपने छह महीने पूरे किये है। सर्वसम्मति से विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद सदन में अध्यक्ष पद पर आसीन होते ही देवनानी ने कह दिया था कि राजस्थान विधानसभा के सदन की महान परम्पराएं रही हैं और इसकी मान-मर्यादा को बनाए रखने के लिए वह सर्वदा प्रयासरत रहेंगे और इसके बाद वह राजस्थान विधानसभा का देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

उन्होंने सदन चलाने के लिए विधानसभा सत्र की शुरुआत होने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाकर एक ऐतिहासिक पहल की और इसी तरह अन्य नवाचार करने से राजस्थान विधानसभा उनके छह महीने के अल्पकाल कार्यकाल में ही देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की और अग्रसर हैं। देवनानी ने रणनीतिक प्रयासों से सदन शान्तिपूर्वक चलाया। जब कभी भी गतिरोध की स्थिति आयी तो उन्होंने सहजता से पक्ष और प्रतिपक्ष के सदस्यों को सुना, उनके समाधान के मार्ग निकाले और दोनों पक्षों के सदस्यों को विश्वास में लेकर विधानसभा की कार्यवाही के गतिरोध को दूर कर सदन संचालन में बेहतर मिसाल पेश की। उन्होंने प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 269 का हवाला देते हुए विधानसभा में नई व्यवस्था दी कि सदन के नियमों, गरिमा एवं परम्परा के दृष्टिगत जब आसन पैरों पर हो तो सदन से सदस्य और दीर्घा से अधिकारी बाहर नहीं जायेंगे।

उन्होंने सदन को अधिक से अधिक दिन तक चलाने एवं सार्थक चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक का आयोजन कर एक ऐतिहासिक पहल की जो राजस्थान विधानसभा में पहली बार हुआ। देवनानी ने सदन को जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने का पवित्र स्थल बताते हुए कहा कि सदन की गरिमा को बनाये रखना विधानसभा सदस्यों की जिम्मेदारी है। समस्याओं का हल बातचीत से होता है। सदन में समस्याओं के निस्तारण का प्रयास होगा। सदस्यों की बातों को गम्भीरता से लिया जायेगा, उनके द्वारा उठाई गई समस्याओं का निस्तारण भी कराया जायेगा।

देवनानी ने प्रश्नों के उत्तर समय पर मंगाने आरम्भ कर दिये और समितियों की रिपोर्ट भी समय पर मंगाना सुनिश्चित किया गया है, जिनकी आवश्यक रूप से सदन में चर्चा भी कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि सदन में स्थगन के साथ पूर्व की भांति पर्ची के माध्यम से अविलम्बनीय लोक महत्व के उठाये जाने के विषयों की व्यवस्था को पुनः लागू किया जा रहा है। पर्ची से उठाये जाने वाले विषयों पर जवाब भी दिलाया जायेगा। राज्य के मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की एक बैठक विधानसभा में बुलाकर विधानसभा के प्रश्नों के जवाब की समय सीमा तय की।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन भारत की एकता के लिए समर्पित था: आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका जीवन भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित था।

मुखर्जी पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1953 में एक देश, एक प्रधान, एक विधान और एक निशान के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा, देश 1947 में आजाद हुआ और 1950 में भारत ने अपना संविधान लागू किया। लेकिन संविधान लागू करने के साथ ही तत्कालीन कांग्रेस नीत सरकार ने देश के संविधान में अनुच्छेद 370 जोड़कर राष्ट्रीय अखंडता को गंभीर नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, तत्कालीन सरकार की मंशा को ध्यान में रखते हुए डॉ. मुखर्जी, जो उस समय केंद्र सरकार में मंत्री थे, ने अपना पद छोड़ दिया और देश की प्रतिष्ठा और अखंडता के लिए कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने के लिए एक बड़ा आंदोलन शुरू किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्हें कश्मीर सत्याग्रह के लिए अपना जीवन बलिदान करना पड़ा, जिसे उन्होंने भारतीय जनसंघ कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शुरू किया था।

कश्मीर में धारा 370 हटाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए योगी ने कहा कि ''डॉक्टर मुखर्जी का जो सपना था वह सपना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर में धारा 370 समाप्त कर एक देश में एक प्रधान, एक विधान और एक निशान की उन भावनाओं का सम्मान करने का कार्य भाजपा की सरकार ने किया है।

उन्होंने कहा कि '' कश्मीर के लिए, देश की अखंडता और सीमाओं की सुरक्षा के लिए त्याग और बलिदान देने वालों को यह एक श्रद्धांजलि है।

इसके पहले योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि ''महान राष्ट्रभक्त, भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, उत्कृष्ट शिक्षाविद, राष्ट्रवादियों के मार्गदर्शक, श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! भारत की एकात्मता और अखंडता के लिए समर्पित उनका सम्पूर्ण जीवन एवं बलिदान देश वासियों के लिए महान प्रेरणा है।

योगी के साथ श्रद्धांजलि सभा में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व उप मुख्यमंत्री व राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा तथा पूर्व मंत्री महेन्द्र सिंह समेत कई प्रमुख नेताओं ने डॉक्टर मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' अपने श्रद्धांजलि संदेश में कहा कि ''भारत की एकता व अखंडता के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक, महान शिक्षाविद व प्रखर राष्ट्रवादी विचारक परम पूज्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी 'एक्स' पर डॉक्टर मुखर्जी को अपनी श्रद्धांजलि दी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने अपने संदेश में कहा, भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अभिजात देशभक्त व भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। देश की एकता-अखंडता की रक्षा हेतु आपके द्वारा किया गया अद्भुत कार्य हम सभी के लिए प्रति प्रेरणा है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 1.17 लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है और 10 जिलों में 1.17 लाख से अधिक आबादी प्रभावित है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इन जिलों के 27 राजस्व क्षेत्र के 968 गांव बाढ़ से जलमग्न हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी वर्तमान में 134 राहत शिविर और 94 राहत वितरण केंद्र संचालित कर रहे हैं, जहां कुल 17,661 लोगों ने शरण ले रखी है। शर्मा ने यह भी कहा कि बराक के करीमगंज में कुशियारा नदी वर्तमान में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। असम राज्य के आपदा प्रबंधन प्राधिकारी (एएसडीएमए) के अनुसार, हालांकि दो लोगों की मौत हो गई, लेकिन शनिवार को बाढ़ प्रभावितों की संख्या घटने के साथ स्थिति में मामूली सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि 3995.33 हेक्टेयर कृषि भूमि बाढ़ के पानी से जलमग्न है।

ईटानगर में बादल फटने से भूस्खलन, बाढ़ जैसे हालात

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में रविवार सुबह बादल फटने से कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रदेश में पिछले कुछ हफ्तों से भारी बारिश हो रही है लेकिन पिछले दो दिनों में स्थिति में सुधार हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं किया गया था। आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े दस बजे बादल फटने की घटना के बाद ईटानगर के कई हिस्सों में और उसके आसपास के इलाकों से भूस्खलन की खबरें हैं वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग 415 के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य की राजधानी के लोगों की जीवनरेखा माने जाने वाले राजमार्ग पर कई वाहन फंसे हुए हैं। जिला प्रशासन ने लोगों से नदियों के किनारे और भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्रों में न जाने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के मद्देनजर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन ने सात स्थानों पर राहत शिविर लगाए हैं।

उत्तर प्रदेश के बलिया में बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने पर भाई की हत्या

बलिया (उप्र)/भाषा। बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र में कथित रूप से बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने पर एक लड़के की हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में रविवार को एक युवक समेत दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उसने बताया कि अठगावा गांव में एक स्कूल के पास पवन राजभर (11) नामक लड़के का शव मिला। पुलिस ने बताया कि इस मामले में मृतक के पिता नागेंद्र राजभर की तहरीर पर भदौरा तरछापार गांव के निवासी हिमांशु यादव नामक युवक तथा उसके एक अज्ञात साथी के खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। उसने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हिमांशु, पवन की 16 वर्षीय बहन के साथ छेड़खानी करता था जिसका पवन इसका विरोध करता था इसीलिए हिमांशु ने पवन की हत्या कर दी है। पुलिस ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

भारत ओलंपिक अनुसंधान और शिक्षा केंद्र का शुभारंभ खेलों के लिए अच्छी पहल: उषा

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के गांधीनगर जिले में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में रविवार को भारत ओलंपिक अनुसंधान एवं शिक्षा केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और प्रसिद्ध धाविका पीटी उषा ने कहा कि यह भारतीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र में ज्ञान, नवाचार और प्रदर्शन के केंद्र के रूप में काम करेगा। उन्होंने लावड स्थित आरआरयू परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि इस तरह के केंद्र का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह खेल और ओलंपिक में उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता की ओर उठाया महत्वपूर्ण कदम है। यह केंद्र ज्ञान के भंडार के रूप में काम करेगा, जिसमें ओलंपिक से जुड़े डेटा, प्रशिक्षण पद्धतियों, खेल विज्ञान और खिलाड़ियों के विकास से जुड़ी जानकारी होगी। राज्यसभा की सांसद उषा ने कहा, हम एक साथ काम करने के साथ ज्ञान साझा करके और नवाचार को अपनाकर मजबूत खेल संस्कृति बना सकते हैं। यह जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक प्रतिभाओं को पोषित करेगी।

बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि पर प. बंगाल से परामर्श नहीं किया गया : तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को केंद्र की आलोचना करते हुए कहा कि उसने 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण के लिए बांग्लादेश के साथ बातचीत शुरू करने का निर्णय लेने से पहले राज्य से परामर्श नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच संधि सहित विभिन्न मुद्दों पर बातचीत के एक दिन बाद तृणमूल की यह टिप्पणी आई। राज्यसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि राज्य संधि का एक पक्ष है, लेकिन उससे परामर्श नहीं किया गया।

ओब्रायन ने यहां संवाददाताओं से कहा, राज्य इस संधि का एक पक्ष है। पिछली संधि के तहत हमारा बकाया भी अब तक नहीं चुकाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, गंगा के तल की खुदाई रोक दी गई है। यह बाढ़ और कटाव का मुख्य कारण है। यह बंगाल को बेचने की योजना है। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और बांग्लादेश 1996 की गंगा जल संधि के नवीनीकरण के लिए तकनीकी स्तर की वार्ता शुरू करेंगे तथा तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन के लिए एक भारतीय तकनीकी दल शीघ्र ही बांग्लादेश का दौरा करेगा।

नीट 'घोटाले' की जिम्मेदारी मोदी सरकार के शीर्ष नेतृत्व को लेनी चाहिए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की नौकरशाही में फेरबदल को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि इसकी जिम्मेदारी दूसरों पर डालने के बजाय सरकार के शीर्ष नेतृत्व को खुद लेनी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को एक स्वायत्त निकाय बताया गया लेकिन असल में इसे भारतीय जनता पार्टी/राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ''कुटिल हितों'' को पूरा करने के लिए बनाया गया। उन्होंने 'एक्स' में एक पोस्ट में कहा, नीट घोटाले की जिम्मेदारी मोदी सरकार के शीर्ष नेतृत्व को लेनी चाहिए। नौकरशाही में फेरबदल करना भाजपा द्वारा बर्बाद की गई शिक्षा प्रणाली की समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। केंद्र सरकार ने शनिवार को एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटा दिया और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में अनियमितताओं की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी। शिक्षा मंत्रालय ने नीट-पीजी परीक्षा भी स्थगित कर दी है जो हाल के दिनों में स्थगित होने वाली चौथी प्रतिस्पर्धी परीक्षा है। खरगे ने कहा कि नीट-पीजी परीक्षा स्थगित कर दी गई है और पिछले 10 दिनों में सभी चार परीक्षाएं या तो रद्द कर दी गईं या स्थगित कर दी गईं।

झारखंड में झामुमो नीत 'भ्रष्ट' गठबंधन को सत्ता से बेदखल करके अगली सरकार बनाएगी भाजपा : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं झारखंड के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य के झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत ''भ्रष्ट'' गठबंधन को सत्ता से उखाड़कर राज्य में अगली सरकार बनाएगी।

चौहान और असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव सह-प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तैयार करने के लिए रांची में पार्टी नेताओं, विधायकों, सांसदों और कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में झारखंड में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां उसने आठ सीट जीतीं और उसकी सहयोगी आजसू पार्टी को एक सीट मिली। उन्होंने कहा, संसदीय चुनाव में 81 विधानसभा सीट में से हमें 52 पर बढ़त मिली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरा कार्यकाल दिलाने में राज्य ने अहम भूमिका निभायी। मैं इस उपलब्धि के लिए पार्टी नेतृत्व, बूथ कार्यकर्ताओं और झारखंड की जनता को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि पार्टी बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में काम करेगी और आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड में अगली सरकार बनाएगी।

चौहान ने आरोप लगाया कि राज्य में मौजूदा झामुमो नीत सरकार भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार है। उन्होंने कहा, राज्य में हर जगह लूट मची हुई है, चाहे वह रेत हो, कोयला हो, खदानें हों या खनिज। मुख्यमंत्री जेल में हैं और कई नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया जा रहा है। चौहान ने कहा कि झारखंड को कुशासन से मुक्त करना और भाजपा के सुशासन को बहाल करना आवश्यक हो गया है ताकि राज्य को 'विकसित' झारखंड बनाया जा सके। इससे पहले, चौहान और शर्मा ने पार्टी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नामकुम

कभी भी अस्थिर हो सकती है केंद्र सरकार, कार्यकर्ता पार्टी जनाधार को युद्धस्तर पर आगे बढ़ाएं : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली केंद्र की मौजूदा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार किसी भी वक्त अस्थिर हो सकती है लिहाजा पार्टी कार्यकर्ता पूरे देश में अपने मिशन से जुड़े लोगों को आगे बढाकर बसपा के जनाधार को युद्धस्तर पर बढ़ाएं। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में बसपा की पराजय के बाद मायावती ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी की केंद्रीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों, राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई।

बैठक में मायावती ने कहा, वर्तमान में केंद्र की भाजपा एवं उसकी राजग सरकार पूर्ण रूप से स्थिर नहीं है। उसके कभी भी अस्थिर होने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में पार्टी के लोगों को पूरे देश में संगठन में मिशनरी लोगों को आगे करके पार्टी के जनाधार को युद्धस्तर पर बढ़ाना है, ताकि हर स्तर पर पार्टी मजबूत हो सके।

मायावती ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों ने संविधान बचाने तथा अन्य मुद्दों को लेकर गलत प्रचार करके मतदाताओं को गुमराह किया जिससे बसपा को जबरदस्त नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, चुनाव में खासकर गरीब और कमजोर वर्गों के लोग किसी न किसी मुद्दे को लेकर गुमराह हो जाते हैं और अपनी 'एक मात्र हितैषी' पार्टी बसपा को नुकसान पहुंचाकर उनका ही शोषण करने वाली पार्टी को सत्तासीन करा देते हैं। यह कतई उचित नहीं है। उन्हें बार-बार गुमराह होने की अपनी आदत छोड़नी होगी।

मायावती ने डेढ़ माह में फैसला पलटते हुए भतीजे आकाश आनन्द को फिर बनाया 'उत्तराधिकारी'

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने करीब डेढ़ माह बाद अपना फैसला पलटते हुए रविवार को अपने भतीजे आकाश आनन्द को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक का दायित्व सौंपते हुए उन्हें फिर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। इसके पहले लोकसभा चुनाव के बीच में ही सात मई को उन्होंने आकाश आनन्द को अपरिपक्व करार देते हुए इन दायित्वों से मुक्त कर दिया था। यहां बसपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी प्रमुख मायावती ने रविवार को राष्ट्रीय स्तर की बैठक आयोजित की जिसमें केंद्रीय पदाधिकारियों के अलावा राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। लोकसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद पहली बार आयोजित इस बैठक में अनेक मुद्दों पर गहन समीक्षा की गई। बैठक के बाद पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया, बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनन्द को पूरी परिपक्वता के साथ पार्टी में कार्य करने के लिए फिर से मौका दिया है।

ट्रक से टक्कर के बाद एम्बुलेंस में लगी आग, चार घायल

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले में रविवार सुबह एक ट्रक से टक्कर होने के बाद एक एम्बुलेंस में आग लग गई, जिससे चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ, जब एम्बुलेंस एक मरीज को बस्ता से बालासोर जिला अस्पताल ले जा रही थी। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंस की रूपसा पुलिस थाना क्षेत्र के तहत मुर्कीमुंडी छक के समीप पीछे से आ रहे एक कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद एम्बुलेंस में आग लग गई। पुलिस ने बताया कि मरीज और घायलों को बालासोर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नाडा ने बजरंग पूनिया को फिर निलंबित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने रविवार को बजरंग पूनिया को दूसरी बार निलंबित कर दिया। इससे तीन सप्ताह पहले एडीडीपी ने इस आधार पर उनका निलंबन रद्द किया था कि नाडा ने पहलवान को आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी नहीं किया था।

नाडा ने 23 अप्रैल को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूनिया को निलंबित कर दिया था चूंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए मूत्र के नमूने नहीं दिए थे। खेल की विश्व नियामक ईकाई यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित किया था। बजरंग ने इस अस्थायी निलंबन के खिलाफ अपील दायर की थी और नाडा के डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने नाडा के आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी करने तक इसे रद्द कर दिया था। नाडा ने रविवार को पूनिया को नोटिस जारी किया। नाडा ने पूनिया को भेजे नोटिस में कहा, यह आपके लिए औपचारिक नोटिस है कि आपको राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक नियमों की धारा 2 . 3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और अब आप अस्थायी रूप से निलंबित हैं।

पूनिया को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिए 11 जुलाई तक का समय दिया गया है। पूनिया का कहना है कि उन्होंने कभी भी नमूना देने से इनकार नहीं किया लेकिन वह अपनी ईमेल पर नाडा का जवाब चाहते हैं जिसमें उन्होंने यह जानने की मांग की थी कि उन्हें दिसंबर 2023 में नमूना लेने के लिए 'एक्सपायर्ड' किट क्यों भेजी गई थीं। बजरंग के वकील विधुष्पत सिंघानिया ने 'पीटीआई' को बताया कि वे निलंबन को चुनौती देंगे। सिंघानिया ने कहा, हां, हमें जवाब दाखिल करना होगा।

पिछले दो वर्षों से हमें इस तरह की जीत की कमी खल रही थी : राशिद खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किंग्सटाउन/भाषा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद कहा कि टीम को पिछले दो वर्षों में इस तरह के गौरवशाली पल की कमी खल रही थी। अफगानिस्तान ने सुपर 8 के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखा। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी पहली जीत भी है। राशिद ने मैच के बाद कहा, यह हमारे लिए एक टीम और एक देश के रूप में बहुत बड़ी जीत है। यह शानदार एहसास है जिसकी हमें पिछले दो वर्षों से कमी खल रही थी। इस जीत से वास्तव में मैं बहुत खुश हूं और मुझे अपने खिलाड़ियों पर गर्व है।

सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (60) और इब्राहिम जदरान (51) ने अर्धशतक जमाए, लेकिन इसके बावजूद अफगानिस्तान 6 विकेट पर 148 रन ही बना पाया। इसके बाद गुलाबदीन नायब ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20 रन देकर 4 विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया को 19.2 ओवर में 127 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। राशिद ने कहा, इस विकेट पर 140 रन का स्कोर अच्छा था लेकिन हम बल्लेबाजी में वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए जैसा हमें करना चाहिए था। हमारे सलामी बल्लेबाजों ने हमें बहुत अच्छी शुरुआत दिलाई। हमने इसके बाद भरोसा बनाए रखा। इस टीम की यह खूबसूरती है कि इसके पास अच्छे ऑलराउंडर और शानदार विकल्प मौजूद हैं। अपनी शानदार गेंदबाजी के लिए मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए नायब ने कहा कि टीम को इस तरह की जीत का लंबे समय से इंतजार था और उम्मीद जताई कि इससे टीम के लिए नए अध्याय की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा, हम लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे। यह हमारे लिए और हमारे देश के लिए गौरवशाली पल है। यह हमारी क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। हम आखिरकार ऑस्ट्रेलिया को हराने में सफल रहे। क्रिकेट में हमारा इतिहास समृद्ध नहीं है इसलिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

सुविचार

शायद मैं इसलिए पीछे हूँ, मुझे होशियारी नहीं आती, बेशक लोग ना समझे मेरी वफादारी, मगर मुझे गद्दारी नहीं आती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दोहरे मापदंड क्यों?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा 'आतंकवाद के खिलाफ एकजुट' होने का किया गया आह्वान अत्यंत हास्यास्पद है। शहबाज यह क्यों भूल जाते हैं कि उनका देश तो खुद आतंकवाद का बहुत बड़ा हिमायती है? उनके इस बयान का क्या औचित्य है? अतीत में अफगानिस्तान, भारत, फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका ... जैसे देशों में हुईं कई आतंकवादी घटनाओं के तार पाक से जाकर ही क्यों मिले? जब दूसरों के यहां बम धमाके होते हैं तो पाकिस्तान को इसमें 'अच्छा आतंकवाद' नजर आता है, लेकिन जब ये ही धमाके टीटीपी के आतंकवादी पाक में करते हैं तो उसे 'बुरा आतंकवाद' समझा जाता है। ये दोहरे मापदंड क्यों? शहबाज को यह कहने के बजाय कि 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई हमारा सामूहिक कर्तव्य और देश की सभी संस्थाओं का प्राथमिक दायित्व है .. यह आपके और मेरे बारे में नहीं, बल्कि हमारे बारे में है .. हमें इसे साथ मिलकर खत्म करना होगा', अपने 'राष्ट्रीय अपराधों' को स्वीकार करना चाहिए। आज शहबाज टीटीपी और अन्य आतंकवादी संगठनों को कोसते हुए यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद से सर्वाधिक पीड़ित है, जबकि इस बात को नज़र-अंदाज़ कर रहे हैं कि आतंकवाद के 'विषवृक्ष' का बीज उनके ही देश ने बोया और उसे खाद-पानी देने में फौज और सरकारों ने बड़ी भूमिका निभाई थी। पाक में शरीफ खानदान ने वर्षों राज किया है, जिसने आतंकवाद को परवान चढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शहबाज का यह बयान कि 'पाकिस्तान पिछले ढाई दशकों से आतंकवाद का सामना कर रहा है और अपराध, मादक पदार्थ, तस्करी, उग्रवाद और धार्मिक आतंकवाद की संलिप्तता के कारण इससे निपटना जटिल हो गया है', पर यह कहावत बिल्कुल ठीक बैठती है- बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय!

पाकिस्तान के ये हालात कई वर्षों के 'गंभीर अपराधों' का नतीजा है। उसने आतंकवादी संगठन बनाए थे, ताकि वे भारत को परेशान करें। उन्होंने भारत का नुकसान किया भी, लेकिन कालांतर में पाक को बहुत बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा। आज पाकिस्तान में शायद ही कोई हफ्ता ऐसा गुजरता है, जब आतंकवादी हमले या बम धमाके न हों। वास्तव में पाक फौज और सरकार की छत्रछाया में पले-बढ़े ये आतंकवादी संगठन अब वहां सत्ता पाने का सपना देख रहे हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तानी तालिबान और अन्य आतंकवादी संगठनों को लगता है कि वे यही सब पाक में दोहरा सकते हैं! जब अगस्त 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया तो दुनिया में सबसे ज्यादा खुशियां पाकिस्तान में मनाई जा रही थीं। कई 'रक्षा विशेषज्ञों' ने टीवी स्टूडियो में बैठकर दावा किया था कि अब तालिबान के लड़ाके हमारा हुक्म मानेंगे और भारत पर हमला करेंगे। हालांकि हुआ इसके ठीक उलट! तालिबान और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच आए दिन गोलीबारी होती रहती है। पाकिस्तान के शहरों में आतंकवादी हमले बढ़ गए हैं। अफगान सीमा से अफीम और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ गई है। यह जहर शहरों से लेकर सुदूर गांवों तक पहुंच गया है। एक ओर जहां तस्कर और अन्य अपराधी इससे मोटी कमाई कर रहे हैं, वहीं युवा वर्ग नशे के दलदल में धंसता जा रहा है। मादक पदार्थों की तस्करी आतंकवादी संगठनों की कमाई का भी बड़ा जरिया है। उनके आका यह रकम अपने ऐशो-आराम के अलावा युवाओं को गुमराह करने पर खर्च करते हैं। पाकिस्तानी सरकार 16 दिसंबर, 2014 को पेशावर स्कूल हमले के मद्देनजर आतंकवाद को खत्म करने के लिए 20 सूत्री एनएपी एजेंडे की तो बात करती है, लेकिन जिन आतंकवादियों ने मासूम बच्चों का खून बहाया, उनसे सांठगांठ रखती है। जब आतंकवाद से लड़ने की नीयत ही न हो तो वही होगा, जो आज पाकिस्तान में हो रहा है। शहबाज शरीफ कितने ही 'आह्वान' करते रहें, उनसे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

ट्वीटर टॉक

मोदी सरकार ने गुलामी की मानसिकता वाले पुराने कानूनों को हटाकर, भारतीयता व न्याय की मूल भावना समाहित किए तीन नए कानून 'भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम' बनाये है जिन्हें 1 जुलाई से देश भर में लागू किया जाएगा।

-अर्जुनराम मेघवाल

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक सपना जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया साकार! देश की एकता को और अधिक मजबूत करने की दिशा में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अद्वितीय प्रयासों के लिए प्रत्येक भारतीय उनका ऋणी है।

-दीया कुमारी

जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर आज से 6 जुलाई तक 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत भाजपा के नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रदेशभर में पौधारोपण करेंगे।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

प्रेम की गहराई

एक बार रुक्मिणी जी ने भगवान से पूछा, 'आप में सबसे बढ़कर प्रेम किसका है। भगवान ने कहा राधिकाजी का। रुक्मिणी जी ने कहा, 'मैं उनसे मिलना चाहती हूं। किसी समय राधिकाजी उनके घर पर आ गयीं, रुक्मिणी जी ने खूब सत्कार किया। उन्हें गर्म दूध पिलाया। राधिकाजी प्रसन्न होकर चली गयीं। रात को भगवान सोने आये। रुक्मिणी जी ने पग-चंपी की तो देखा भगवान के पैरों में फफोले हैं। रुक्मिणी जी ने पूछा, महाराज! ये कैसे हो गये। कई बार आग्रह किया तो बताया कि आज राधिकाजी तुम्हारे यहां आयी थीं, उनकी तुमने सेवा की, दूध गर्म पिला दिया।' रुक्मिणी जी ने कहा, 'हां, ख्याल नहीं रहा, गर्म पिला दिया।' भगवान ने कहा, 'राधिकाजी के हृदय में मेरे चरण हर समय रहते हैं। तुमने गर्म दूध पिला दिया, वह दूध मेरे चरणों पर जाकर पड़ा जिससे फफोले हो गये।' भगवान ने कहा, 'राधिकाजी के चरण मेरे हृदय में वास करते हैं, मेरे चरण राधिकाजी के हृदय में हैं।'

सामयिक

दक्षिण अफ्रीका चुनावों में भारतवंशियों ने गाड़े झंडे

आर.के. सिन्हा

भारत के लोकसभा चुनावों के नतीजे बीती 4 जून को आए और दक्षिण अफ्रीका के उससे मात्र दो दिन पहले 2 जून को। दोनों देशों में मिली-जुली सरकारें बन गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से भारत सिर्फ इसलिए ही अपने को भावनात्मक रूप से जोड़कर नहीं देखता है, क्योंकि वहां लगभग 21 सालों तक गांधी जी रहे। वहां रहकर उन्होंने भारतवंशियों और बहुसंख्यक अश्वेत आबादी के हक में लड़ाई लड़ी। दक्षिण अफ्रीका भारत के लिए इसलिए भी विशेष है, क्योंकि वहां पर करीब 15-16 लाख भारतवंशी बसे हुए हैं। संसार के शायद ही किसी अन्य देश में इतने भारतवंशी हों। दक्षिण अफ्रीका में भारत मूल के लोग जीवन के हर क्षेत्र में अपनी ठोस उपस्थिति दर्जा करा रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका की संसद के लिए हुए हालिया चुनाव में भारतीय मूल के बहुत से उम्मीदवार विभिन्न राजनीतिक दलों से अपना भाग्य आजमा रहे थे। उन्होंने संसद और प्रांतीय असेबलियों में भी जीत दर्ज की। मेरगन शेट्टी लगातार तीसरी बार संसद के लिए चुने गए। क्वाज़ुलू-नाटाल प्रांतीय विधानसभा की सदस्य शारा सिंह ने राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया और संसद सदस्य बन गईं। शेट्टी संसद में डेमोक्रेटिक एलायंस (डीए) के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले भारतीय मूल के सदस्य बताए जाते है। उन्होंने पहले 2006 में पीटरमारिट्ज़बर्ग नगर परिषद का प्रतिनिधित्व किया था। शारा सिंह ने संसद में चुने जाने के बाद स्थानीय सरकार की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। डीए के संसद के लिए 87 सदस्य चुने गए हैं। इनमें से चार भारतीय मूल के हैं। इस बीच, ए. सरूपेन ने लगातार दूसरी बार संसद के चुनाव में जीत हासिल की। सरूपेन के पूर्वज उत्तर प्रदेश से थे। वे गौतेंग प्रांतीय विधानसभा के सदस्य के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

इंकथा फ्रीडम पार्टी के नेता नरेंद्र सिंह, अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) की फ़ासीहा हसन, अल जमा-आह के इमरान इस्माइल मूसा भी निर्वाचित हुए हैं। इनके अलावा, गोपाल रेड्डी और शुनमुगम रामसामी मूडली भी संसद पहुँचे हैं। अधिकांश चुने गए भारतीय मूल के सदस्य दक्षिण अफ्रीका में ही पैदा हुए हैं, लेकिन केरल के पथानमथिट्टा जिले के तिरुवल्ला के मूल निवासी अनिलकुमार केसवा पिल्लई ने 40 साल पहले दक्षिण अफ्रीका की स्थानीय राजनीति में खुद को स्थापित किया था। एक युवा शिक्षक के रूप में दक्षिण अफ्रीका पहुँचे पिल्लई शिक्षकों के एक ट्रेड यूनियन नेता के रूप में उभरे। उन्हें पहली बार 2019 में एएनसी के प्रतिनिधि के रूप में ईस्टर्न केप की प्रांतीय परिषद के लिए चुना गया था। पिल्लई के अलावा, डीए के सदस्य इमरान कीका, एम. नायर और रिओना गोकुल को भी क्वाज़ुलू-नाटाल की प्रांतीय विधानसभा के लिए फिर से चुना गया है। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के फिर से राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा बन गए हैं। रामाफोसा ने अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी), डेमोक्रेटिक एलायंस (डीए) और अन्य दलों के समर्थन से फिर से राष्ट्रपति पद को संभाला।यह पहली बार है जब 1994 के बाद नेल्सन मंडेला की पार्टी एएनसी बहुमत हासिल करने में विफल रहा। दक्षिण अफ्रीका कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, जिसमें दुनिया के सबसे उच्च स्तर की बेरोजगारी, असमानता और हिंसक अपराध शामिल हैं।

एएनसी ने 1994 में श्वेत अल्पसंख्यक शासन की रंगभेद व्यवस्था के अंत के बाद से दक्षिण अफ्रीका पर बहुमत के साथ शासन किया। लेकिन इस बार के चुनाव में 30 साल के बहुमत को खोने से देश में एक बड़ा बदलाव आया। यह चुनाव गरीबी, असमानता और बेरोजगारी के उच्च स्तर को लेकर दक्षिण अफ्रीकियों में व्यापक असंतोष की पृष्ठभूमि में हुआ। खैर, भारत दक्षिण अफ्रीका समेत सभी अफ्रीकी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने का इच्छुक रहा है। कुछ साल पहले राजधानी में हुए भारत-अफ्रीका समिट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। उन्होंने भारत अफ्रीका के रिश्तों पर जोर देते हुए कहा था कि भारत और अफ्रीका की युवा होती आबादी पूरे विश्व में नए कीर्तिमान बना सकती है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका में निवेश के लिए भारत एक बड़ा स्रोत है। तब भारत ने अफ्रीकी देशों के लिए 600 मिलियन डॉलर की मदद की घोषणा की थी। मौजूदा दौर में अफ्रीका के कई देश तेजी से आर्थिक विकास कर रहे हैं। अमेरिका, चीन और यूरोपीय संघ भी अफ्रीका में संभावनाए तलाशता रहा है। कारोबारी रिश्ते में भारत अभी इन सभी से पीछे है। ऐसे वक्त में जब कि चीन की अर्थव्यवस्था उतार पर है। यूरोप भी संकट से जूझ रहा है। इस पृष्ठभूमि में भारत के पास अफ्रीका के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने का बेहतरीन मौका है।

भारत की चोटी की कंपनियों जैसे टाटा, भारती, महिन्द्रा, अशोक लीलैंड वगैरह का अफ्रीका में तगड़ा निवेश है। अफ्रीका में हर जगह टाटा की उपस्थिति दिखती है। भारती एयरटेल ने अफीका के करीब 17 देशों में दूरसंचार क्षेत्र में अरबो डॉलर का निवेश किया हुआ है। भारतीय कंपनियों ने कोयला, लोहा और मैगनीज खदानों के अधिग्रहण में भी अपनी गहरी रुचि जताई है। दूसरी ओर अफ्रीकी कंपनियां एग्रो प्रोसेसिंग व कोल्ड चेन, पर्यटन व होटल और रिटेल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग कर रही हैं। अफ्रीकी देश नाइजीरिया भारत को बड़े पैमाने पर तेल की आपूर्ति करता है। इस बीच, अफ्रीका से राजधानी दिल्ली में आने नागरिकों को यहां अफ्रीका के बहुत सारे प्रतीक मिलेंगे। राजधानी के चाणक्यपुरी में घाना के शिखर नेता क्वामे नकरूमा मार्ग के नाम पर एक सड़क है। इसके करीब ही अफ्रीका गॉर्डन है। अफ्रीका एवेन्यू भी है। यह संयोग ही है कि निर्गुट आंदोलन के नेता क्वामें नकरूमा मार्ग और अफ्रीका गार्डन इतने करीब हैं। इंडिया अफ्रीका फ्रेंडशिप रोज गॉर्डन को अब अफ्रीका गॉर्डन कहा जाने लगा है। जैसे कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि यहां गुलाब ही गुलाब हैं। यहां गुलाब के लाल,पिंक,सफेद समेत साढ़े पांच हजार से अधिक पौधों की 65 प्रजातियां खुशबू बिखेरती हैं।

इधर का सारा वातावरण बेहद सुंदर और आनंद की अनुभूति देता है। दिल्ली में अफ्रीका नाम से किसी उद्यान का होना एक तरह से यहां पर रहने वाले अफ्रीकी नागरिकों को कुछ भरोसा तो दिलाता होगा कि भारत उनका मित्र है। वैसे राजधानी में नेल्सन मंडेला और मिस्र के जननायक गमाल आब्देल नासेर के नामों पर भी सड़कें हैं। क्वामें नक्रूमा की तरह नासेर भी निर्गुट आंदोलन के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर थे। देखा जाए तो दिल्ली का अफ्रीका से रिश्ता सन 1955 में कायदे से बना था। तब दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में डिपार्टमेंट आफ अफ्रीकन स्टडीज की स्थापना हुई थी। उसी दौर में यहां विभिन्न अफ्रीकी देशों के नौजवान पढ़ने के लिए आने लगे। उनमें केन्या से आने वाले सर्वाधिक रहते थे। उन्होंने डीयू में अपने देश के नायक जुमो कैन्यटा के नाम से एक फुटबॉल प्रतियोगिता भी चालू की। उसमें सिर्फ अफ्रीकी देशों के छात्र ही भाग लेते थे, पर दर्शक सब होते थे। इसी डीयू के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स और दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनामिक्स के छात्र रहे अफ्रीकी देश मलावी के राष्ट्रपति बिंगु वा मुथारिका भी। अतः ऐसा लगता है कि मोदी जी तीसरे प्रधान्मत्रित्व काल की भारत सरकार दक्षिण अफ्रीका तथा अन्य सभी अफ्रीकी देशों से सम्बन्ध और मजबूत और स्थायी करेगा।

मंथन

हरियाणा में लालों के परिवारों की धमक जारी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

आजादी के बाद हरियाणा में लालों के परिवार की जबरदस्त धमक रही है। चौधरी देवीलाल, बंशीलाल और भजन लाल न केवल हरियाणा के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए बल्कि केंद्र की सत्ता पर भी उनकी पकड़ मज़बूत हुई। तीनों को हरियाणा की सियासत का चाणक्य भी कहा जाता था। चौधरी देवीलाल देश के उप प्रधान मंत्री तो बंशीलाल रक्षा मंत्री के पास पर पहुंचकर हरियाणा का नाम रोशन किया। वह भी एक टाइम था जब बंसीलाल, भजनलाल या देवीलाल के बिना हरियाणा में राजनीति में पता नहीं हिलता था। इन तीनों के बाद मनोहर लाल चौथे लाल थे जिन्होंने 9 साल तक हरियाणा के मुख्यमंत्री पद का सुख भोगा। इस समय देवीलाल भजनलाल और बंशीलाल की तीसरी चौथी पीढ़ी हरियाणा की राजनीती में सक्रीय है। चौधरी देवीलाल के पुत्र ओम प्रकाश चौटाला और रणजीत चौटाला के साथ पोते अभय और अजय सियासत में सक्रीय है। चौथी पीढ़ी का नेतृत्व दुष्यंत चौटाला कर रहे है जो कुछ समय पूर्व तक हरियाणा के उप मुख्यमंत्री पद पर आसीन थे। हरियाणा की राजनीति के दूसरे बड़े लाल बंसीलाल जिन्हें हरियाणा में विकास पुरुष के नाम से भी जाना जाता है उनकी पुत्रवधू किरण चौधरी तथा उनकी पोती श्रुति चौधरी कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष रही। इन दोनों ने हाल ही कांग्रेस से रुष्ट होकर भाजपा की शरण ले ली। तीसरे लाल भजन लाल के बेटे कुलदीप अपने बेटे भव्य के साथ भाजपा में है। यूं भी कह सकते है अब हरियाणा कांग्रेस में तीनों लालों के परिवार को कोई सदस्य नहीं है। इनमें से अधिकांश लोग भाजपा में है। इतिहास में पहली बार हरियाणा के तीन 'लालों' का परिवार भाजपा में है। ऐसा पहली बार हो रहा कि तीनों के परिवार अब एक ही पार्टी के बैनर के नीचे राजनीति करने को मजबूर हो गए। लाल परिवार का ही हरियाणा में सिक्का चलता रहा है, हालांकि पिछले कुछ सालों से इनकी संतानों ने भाजपा का दामन थामा है। तीनों लाल तो अब दुनिया में नहीं रहे, लेकिन उनके वारिस तीनों घरानों की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं. तीनों लाल के सियासी वारिस अब बीजेपी के पाले में खड़े हैं। तीनों ही लाल परिवारों के सदस्यों को भाजपा के झंडे के नीचे लाने का श्रेय प्रदेश के चौथे सियासी लाल मनोहर लाल खट्टर को जाता है।

गौरतलब है तीनों ही लालों ने प्रदेश के लगभग 60 वर्षों के सियासी सफर में करीब 30 वर्षों तक शासन किया। तीनों ही लालों का भाजपा के साथ पुराना नाता रहा है। तीनों ही लालों ने कांग्रेस से अपने सियासी कॅरियर का आगाज किया। देवीलाल 1982 में लोकदल और भाजपा ने मिलकर विधानसभा का चुनाव लड़ा था तो इससे पहले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और चौ. देवीलाल जनता पार्टी के बैनर तले 1977 के विधानसभा चुनाव में एक साथ थे। साल 1987 में चौ. देवीलाल की लोकदल और भाजपा ने मिलकर चुनाव लड़ा। चुनावों में लोकदल को 60, भाजपा को 16 सीटों पर जीत मिली थी और तब गठबंधन की सरकार में चौ. देवीलाल मुख्यमंत्री बने और भाजपा से डॉ. मंगलसेन उपमुख्यमंत्री बने थे। इसी तरह से 1996 में चौ. बंसीलाल की नेतृत्व वाली हविपा और भाजपा ने मिलकर चुनाव लड़ा और गठबंधन की सरकार बनाई। यह सरकार 1999 तक चली। खास बात यह है कि चौ. बंसीलाल की सरकार के समय नरेंद्र मोदी हरियाणा के प्रभारी थे और मनोहर लाल संगठन मंत्री थे।

मोदी और मनोहर लाल की गठबंधन सरकार बनाने में खास भूमिका रही थी। प्रदेश के तीसरे लाल चौ. भजनलाल के बेटे कुलदीप बिश्नोई ने 2014 के संसदीय चुनाव में अपनी पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस का भाजपा के साथ गठबंधन किया और गठबंधन के तहत 8 सीटों पर भाजपा ने जबकि 2 सीटों पर हजकां ने चुनाव लड़ा था। इसके अलावा 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा व चौ. देवीलाल के पौत्र अजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में बनी पार्टी जजपा के साथ गठबंधन हुआ और इस गठबंधन सरकार में चौ. देवीलाल के पड़पौत्र दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री भी रहे। अब यह गठबंधन टूट चुका है। ऐसे में तीनों ही लालों का भाजपा के साथ एक पुराना संबंध रहा है और लालों ने भाजपा के साथ मिलकर न केवल चुनाव लड़े बल्कि सत्ता की दहलीज तक भी पहुंचने में कामयाब रहे। अब चौ. बंसीलाल की पुत्रवधु किरण चौधरी व पौत्री श्रुति चौधरी के भाजपा में आने के बाद हरियाणा के 60 वर्षों के इतिहास में पहली बार हुआ है जब तीनों ही लाल परिवारों के अनेक सदस्य एक साथ भारतीय जनता पार्टी के झंडे तले रहकर अपनी सियासी पारी को आगे बढ़ाएंगे।

नजरिया

असंतुलित दोहन से मानवीय विनाश की नई इबारत

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका

विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है।

रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम, थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है,

जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना,
पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे।

विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 140 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

घर पर करना चाहते हैं योगाभ्यास? नियमितता बनाए रखने में ये तरीके होंगे मददगार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आमतौर पर लोगों के लिए किसी योग स्टूडियो या शिविर आदि में जाकर नियमित योगाभ्यास करना आसान होता है। बात जब घर पर योगाभ्यास करने की हो तो नियमितता बनाए रखना थोड़ा मुश्किल होता है। कई लोग उत्साह में आकर घर पर योगाभ्यास शुरू कर देते हैं, लेकिन एक हफ्ता बीतते-बीतते नियमितता गंवा देते हैं। इससे योगाभ्यास की शुरुआत में जो फायदे हुए थे, वे बाद में गायब हो जाते हैं और ज़िंदगी दोबारा पुराने ढर्रे पर चलने लगती है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि घर पर योगाभ्यास करें तो नियमितता कैसे बनाए रखें? यहां आपको बताएंगे ऐसे तरीके, जिनसे आप घर पर नियमित योगाभ्यास कर सकेंगे।

1. सबसे पहली अपनी प्राथमिकताएं तय करें। आप योगाभ्यास क्यों करना चाहते हैं? आप इससे क्या लाभ प्राप्त करना चाहते हैं? बेहतर होगा कि इन बातों को एक डायरी में लिख लीजिए। जब आप उनके संबंध में मानसिक रूप से अधिक स्पष्टता की स्थिति में होंगे तो नियमित योगाभ्यास करने के लिए अधिक प्रेरित होंगे।

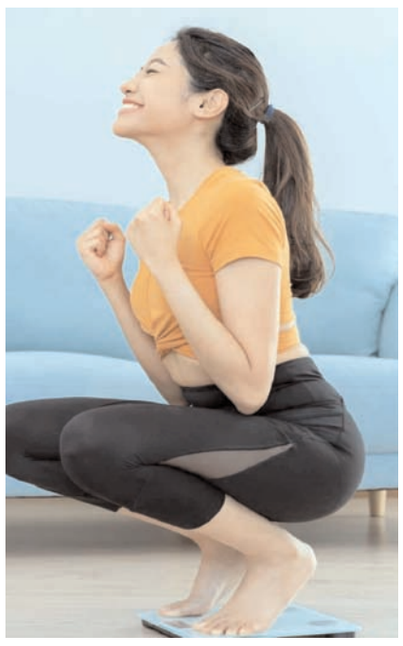

2. सुबह का योगाभ्यास आपको पूरे दिन ऊर्जावान बनाएगा। इसके लिए आपको अपना थोड़ा-सा समय देना है। अगर आप यह समय नहीं देंगे तो उससे हासिल कुछ नहीं होगा, बल्कि उन बड़े फायदों को गंवा देंगे। यह एक तरह से पूरी मेहनत पर पानी फेरने जैसा है।

3. योगाभ्यास करने का सीधा-सा मतलब है- अपने तन और मन की बेहतरी में निवेश करना। अपनी सेहत का ध्यान रखना आपकी जिम्मेदारी है। हमारे ऋषियों ने योग के रूप में संसार के लिए ऐसा दिव्य ज्ञान छोड़ा है, जिसका रोजाना कुछ समय तक अभ्यास आपको वर्षों तक फायदा देगा।

4. शुरुआत में योग की गहराई और महान दर्शन को पूरा समझने से बेहतर है कि बुनियादी बातों को जानिए और सरल योगासनों को अपने अभ्यास में शामिल कीजिए। एक ही दिन में बहुत सारे आसन करने का लक्ष्य बनाने से नियमितता में बाधा आती है। इसलिए सरल आसन चुनें, कम सख्या में चुनें और उन्हें सही तरीके से करें।

5. योगाभ्यास के लिए प्रतिबद्ध रहें। हालांकि नई आदत को दिनचर्या में शामिल करना और उसमें नियमितता बनाए रखना थोड़ा मुश्किल होता, लेकिन प्रतिबद्धता हो तो यह संभव है। रोजाना थोड़ा-थोड़ा समय देकर इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है।

6. खास योगासन में महारत हासिल करने का इरादा भी नियमितता बनाए रखने में मदद करेगा। इसके लिए किसी ऐसे योगासन का चयन करें, जो थोड़ा सरल हो और जिससे होने वाले शारीरिक-मानसिक लाभों की आपको ज्यादा जरूरत हो। जैसे- किसी को कब्ज की समस्या हो तो उसे ऐसे योगासन को चुनना चाहिए, जो पेट साफ करने में सहायक हो।

7. खुद को चुनौती देना सीखें। जिस काम को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हैं, उसे पूरा करने के लिए मन में उत्साह होता है। अपने परिवार या करीबी दोस्तों के सोशल मीडिया समूह में ऐसी चुनौती का जिक्र किया जा सकता है। जब उसे पूरा कर लें तो अपनी सफलता साझा करें।

8. जिस जगह योगाभ्यास करें, उसकी स्वच्छता और गरिमा बनाए रखें। यह ऐसी जगह होनी चाहिए, जिसका यथासंभव दूसरे कामों में इस्तेमाल न हो। यह जगह प्रेरक होनी चाहिए। वहां प्रसिद्ध योगियों के चित्र / वचन आदि लगाए जा सकते हैं। इससे आप जब निर्धारित समय पर वहां जाएंगे तो स्वत: योगाभ्यास की इच्छा पैदा होगी।

9. ऑनलाइन योग कक्षाओं में शामिल होना भी नियमितता बनाए रखने का अच्छा तरीका हो सकता है। किसी अनुभवी योग प्रशिक्षक के ऑनलाइन योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल होना एक तरह से स्कूल की कक्षाओं में भाग लेने जैसा होता है, जिसके लिए अनुशासन आ ही जाता है।

इनके लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है

फ्रांस की चार्लोट चोपिन 101 साल की उम्र में सिखा रहीं योगाभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। चार्लोट चोपिन की योगयात्रा मुख्यत: उन लोगों के लिए एक बड़ा प्रेरणास्रोत हो सकती है, जो मानते हैं कि योग का अभ्यास करना युवावस्था में ही सीखा जा सकता है। चोपिन ने उस समय योग करना शुरू किया था, जब उनकी उम्र 50 साल थी। आज 101 साल की उम्र में भी उनका उत्साह कायम है। चार्लोट चोपिन का जन्म फ्रांस के चेर प्रांत के एक छोटे से शहर लेरे में वर्ष 1922 में हुआ था। उनका कहना है कि वे अपनी लंबी उम्र और अच्छी सेहत का श्रेय नियमित योगाभ्यास को देना चाहेंगी। वे इसे जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने का साधन बताती हैं।

चार्लोट चोपिन आज भी लोगों को योगाभ्यास करना सिखाती हैं। लोग दूर-दूर से उनके पास योगाभ्यास सीखने आते हैं। वे फ्रांस में योग का पर्याय बन चुकी हैं। उन्हें अपने देश के मशहूर टीवी शो 'फ्रांस गॉट इनक्रेडिबल टैलेंट' में भी बुलाया गया था। पिछले साल जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस यात्रा पर गए थे तो उन्होंने चार्लोट चोपिन से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री ने फ्रांस में योग को बढ़ावा देने में उनकी 'गहरी आस्था और अभूतपूर्व कार्य' की सराहना की थी।

चार्लोट चोपिन के बारे में कहा जाता है कि इनके लिए उम्र सिर्फ़ एक संख्या है। एक सौ एक साल की उम्र में भी उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। उन्होंने 50 साल की उम्र में योग करना जरूर सीखा, लेकिन जल्द ही इसमें निपुण हो गईं। चार्लोट चोपिन ने साल 1982 में योग सिखाना शुरू किया था। धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता बढ़ गई। यूरोप के अन्य देशों से भी लोग उनसे योग सीखने के लिए आने लगे थे। इनमें आम नागरिकों के अलावा राजनीति, खेलकूद और सिनेमा उद्योग के कई बड़े नाम शामिल थे।

चार्लोट चोपिन के करीबी लोग बताते हैं कि उनकी ऊर्जा बेजोड़ है। वे अपने सारे काम खुद करती हैं। इनमें पेरिस में अपने दोस्तों से मिलने जाने से लेकर शॉपिंग करना तक शामिल है। वे उन योगाभ्यासकर्ताओं में से एक हैं, जिन्हें पश्चिम में योग के प्रचार-प्रसार का श्रेय दिया जाता है। चार्लोट चोपिन को इस योगदान के लिए साल 2024 में भारत ने पद्मश्री से भी सम्मानित किया।

जापान में योग के 'नए दौर' का हो रहा सूर्योदय

पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं में राहत दे रहा योग ■ योगाभ्यास में खुशियां तलाश रहे लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जापान में योग का इतिहास बहुत पुराना है। यहां की संस्कृति पर सदियों से भारतीय प्रभाव रहा है, इसलिए जापानियों के लिए योग कोई 'नई अवधारणा' नहीं है। आज जापान में योग की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। वहां आध्यात्मिक स्थलों, योगा स्टूडियो के अलावा स्कूलों में भी योगाभ्यास सिखाया जाता है।

अमेरिका के राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, साल 2012 में जापान योगा थैरेपी सोसाइटी (जेवाईटीएस) ने स्वास्थ्य, श्रम और कल्याण मंत्रालय के सहयोग से क्यूशू स्कूल ऑफ मेडिसिन विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पूरे जापान में योग कक्षाओं पर एक अध्ययन किया था। अध्ययन से पता चला कि योग कक्षाओं में भाग लेने वाले आधे से ज्यादा लोग वे थे, जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी कोई पुरानी समस्या थी।

आज जापान में ऐसे लोगों की बड़ी तादाद है, जिन्होंने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बाद योगाभ्यास शुरू किया तो उन्हें लाभ हुआ। इससे उत्साहित होकर उन्होंने सिलसिले को आगे जारी रखा। इनमें कैंसर और हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के अलावा अकेलेपन का सामना कर रहे लोग भी थे।

बता दें कि जापानी समाज में अकेलापन एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। बहुत लोग अपने कामकाज में काफी व्यस्त रहते हैं, जिसके बाद उनके पास परिवार, दोस्तों, परिचितों आदि से बातचीत के लिए समय नहीं होता। यह स्थिति कालांतर में गंभीर मानसिक समस्याएं पैदा कर सकती है।

वहां लोग योगाभ्यास में खुशियां तलाशने की कोशिशें कर रहे हैं और कामयाब भी हो रहे हैं। इसके अलावा, जिन लोगों को मादक पदार्थों की लत लग जाती है, वे उन्हें छोड़ने और अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करने के लिए योग की शरण में आ रहे हैं। सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों को भी योगाभ्यास से काफी लाभ हो रहा है। इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सा पेशेवरों की योग में रुचि बढ़ रही है।

सेहत की कई समस्याओं का 'हल' है- हलासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि पाचन तंत्र अच्छा हो। कमजोर पाचन तंत्र के कारण कई बीमारियां पैदा होती हैं। चूंकि समग्र स्वास्थ्य के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए पाचन तंत्र को बेहतर बनाना जरूरी है। इसलिए योगशास्त्र के ज्यादातर आसन ऐसे हैं, जिनका संबंध अन्य अंगों के साथ ही पाचन तंत्र से जरूर होता है। इनमें से एक है हलासन, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और कई समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। इसे यह नाम 'हल' और 'आसन' से मिला है। इसका अभ्यास करते समय शरीर की आकृति किसान के हल जैसी हो जाती है। इससे लाभ पाने वाले योगाभ्यासी कहते हैं कि यह योगासन स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का 'हल' पेश करता है! अंग्रेजी में इसे 'प्लो पोज' कहते हैं।

ऐसे करें हलासन

- योगा मैट पर पीठ के बल लेट जाएं।
- अब दोनों हाथों को जमीन पर रखें।
- धीरे-धीरे अपने पैरों को ऊपर उठाएं तथा उन्हें पीछे की तरफ ले जाएं।
- अब अपने पैरों के अंगूठों व अंगुलियों को पीछे जमीन से स्पर्श करें।
- कुछ समय तक इसी स्थिति में रहें। उसके बाद धीरे-धीरे पूर्व स्थिति में आ जाएं।

ये होंगे फायदे

- पाचन तंत्र अच्छा होगा।
- कब्ज, गैस और पेट के पुराने रोग दूर होंगे।
- खुलकर भूख लगेगी।
- पेट की अनावश्यक चर्बी दूर होगी।
- रीढ़ की हड्डी में लचीलापन आएगा।
- कमर और कंधों के दर्द से राहत मिलेगी।
- यह योगासन मधुमेह और थायरॉइड संबंधी समस्याओं में भी सहायक है।

ये रखें सावधानियां

- जब पैरों को ऊपर उठाते हुए पीछे की ओर लेकर जाएं तो अनावश्यक दबाव न डालें।
- कई लोग पहली बार में इस योगासन को पूरी तरह नहीं कर पाते। उन्हें निराश नहीं होना चाहिए।
- निरंतर अभ्यास से ही सफलता मिलती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए अपनी क्षमतानुसार अभ्यास करते रहें।
- अगर पीठ, गर्दन, पेट पर चोट लगी हो या सर्जरी कराई हो तो इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

ध्यान रखें कि इस जानकारी का उद्देश्य योग के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह स्वास्थ्य संबंधी सलाह का विकल्प नहीं हो सकती। उचित सावधानियों का पालन करते हुए किसी कुशल योग प्रशिक्षक के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही योगाभ्यास करना चाहिए।

फिल्म 'कसूर' में नजर आएंगे आफताब शिवदासानी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्टर आफताब शिवदासानी म्यूजिकल, रोमांस और हॉरर फिल्म 'कसूर' में नजर आएंगे। इसकी घोषणा प्रैक्टिकल प्रोडक्शंस के निर्माता आसिफ शेख ने की। निर्माता आसिफ ने कहा, ''यह एक यूनिक कॉन्सेप्ट है- म्यूजिकल, रोमांस और हॉरर... जब आफताब ने कहानी सुनी, तो वह इसे लेकर काफी एक्साइटेड थे। ऑडियंस सिल्वर स्क्रीन पर आफताब शिवदासानी को एक बहुत ही अलग किरदार में देखेगी।'' उन्होंने कहा, ''यह एक लेखक द्वारा समर्थित किरदार है, और हम आफताब के साथ फीमेल लीड और एक अन्य मेल लीड को फाइनल कर रहे हैं। इन किरदारों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।''

फिल्म 'कसूर' को ग्लेन बैरेटो डायरेक्ट करेंगे। वहीं कहानी मुदस्सर अजीज ने लिखी है। आफताब के करियर पर नजर डालें, तो उन्हें 14 महीने की उम्र में फॉरेक्स बेबी के रूप में चुना गया था।

महज 9 साल की उम्र में 1987 में उन्होंने अनिल कपूर की सुपरहिट फिल्म 'मिस्टर इंडिया' में काम किया। इसके बाद वह 1988 में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'शहंशाह' में इंस्पेक्टर विजयकुमार

श्रीवास्तव के बचपन का किरदार निभाते दिखाई दिए। इसके अलावा, उन्होंने 'चालबाज', 'अव्वल नंबर' और 'इंसानियत' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

आफताब ने राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित 'मस्त' से बतौर लीड एक्टर करियर की शुरुआत की। इसमें उनके साथ उर्मिला मातोंडकर नजर आईं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपर डुपर हिट रही। इसके बाद वे 'कसूर', 'आवारा पागल दीवाना', 'हंगामा' और 'मस्ती' जैसी फिल्मों में नजर आए। 2018 में, आफताब ने तमिल सिनेमा में 'भास्कर ओरु रास्कल' और 2021 में कन्नड़ सिनेमा में 'कोटिगोब्बा 3' के साथ अपनी शुरुआत की।

एक्टर को अब से पहले हिंदी सिनेमा में 2019 की फिल्म 'सेटर्स' में देखा गया था। यह अश्विनी चौधरी द्वारा निर्देशित एक क्राइम थ्रिलर थी।

भीषण गर्मी के कारण हज यात्रा के दौरान सैकड़ों लोगों की हुई मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मक्का (सऊदी अरब)। इस साल सऊदी अरब में भीषण गर्मी के कारण हज यात्रा के दौरान सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सऊदी अरब ने हज यात्रा के दौरान भीषण गर्मी के कारण मरने वालों की संख्या पर कोई टिप्पणी नहीं की है। किस वजह से लोगों की जान गई, इस बारे में भी नहीं बताया गया। हालांकि, मक्का के अल-मुआइसम में आपातकालीन परिसर में सैकड़ों लोग अपने परिवार के लापता सदस्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश में कतार में खड़े थे। ऑनलाइन प्रसारित एक सूची से पता चलता है कि पांच दिवसीय हज के दौरान कम से कम 550 लोगों की मौत हो गई।

चिकित्सक और एक अन्य अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि उनका मानना है कि अस्पताल में कम से कम 600 शव रखे हैं। हज के दौरान मौतें होना कोई असामान्य बात नहीं है, क्योंकि इस दौरान कई बार 20 लाख से ज़्यादा लोग सऊदी अरब की यात्रा करते हैं। इसके अलावा, हज यात्रा के दौरान पूर्व में भगदड़ मचने की घटनाएं और महामारी भी फैल चुकी है। 'जर्नल ऑफ इन्फेक्शन एंड पब्लिक हेल्थ' के अप्रैल संस्करण में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, प्रत्येक वर्ष हज के लिए कम आय वाले देशों से लाखों लोग आते हैं जिनमें से कई को हज-पूर्व स्वास्थ्य देखभाल सेवा बहुत कम या बिलकुल भी नहीं मिलती है।

शैतान को प्रतीकात्मक रूप से कंकड़ मारने की कोशिश करते समय कुछ लोग बेहोश हो गए। मिस्र के कई लोगों ने कहा कि वे गर्मी और भीड़ में अपने प्रियजनों से बिछड़ गए।

इसमें कहा गया है कि एकत्रित लोगों में संक्रामक बीमारियां फैल सकती हैं। हालांकि, इस साल मृतकों की संख्या से पता चलता है कि मौतों में वृद्धि का कारण कुछ और था। जॉर्डन और ट्यूनीशिया समेत कई देशों ने कहा है कि उनके कुछ यात्रियों की मौत मक्का के पवित्र स्थलों पर पड़ने वाली गर्मी के कारण हुई। बुधवार को मुख्य मस्जिद के पास भारतीय यात्री खालिद बशीर बजाज ने कहा कि उन्होंने इस साल हज के दौरान बहुत से लोगों को बेहोश होकर जमीन पर गिरते देखा। सऊदी नेशनल सेंटर फॉर मेटेरोलॉजी के अनुसार, मंगलवार को मक्का और शहर के आसपास के धार्मिक स्थलों पर तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

शैतान को प्रतीकात्मक रूप से कंकड़ मारने की कोशिश करते समय कुछ लोग बेहोश हो गए। मिस्र के कई लोगों ने कहा कि वे गर्मी और भीड़ में अपने प्रियजनों से बिछड़ गए। सऊदी हज अधिकारियों के अनुसार, 2024 में 18.3 लाख से अधिक मुसलमानों ने हज किया, जिसमें 22 देशों के 16 लाख से अधिक लोग और सऊदी के 2,22,000 नागरिक और निवासी शामिल थे।

सोनाक्षी सिन्हा नहीं अपनाएंगी इस्लाम धर्म, एक्ट्रेस के होने वाले ससुर ने दिया बयान

मुंबई/एजेन्सी

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल 23 जून को शादी करने वाले हैं। ऐसे में चर्चा जोरों पर है कि क्या सोनाक्षी शादी के लिए इस्लाम धर्म अपनाएंगी। इसको लेकर फैंस सोशल मीडिया के जरिए एक्ट्रेस से सवाल पूछ रहे है, लेकिन जवाब उनके होने वाले ससुर अर्थात जहीर इकबाल के पिता इकबाल रतनसी ने दिया। उन्होंने बताया कि सोनाक्षी इस्लाम धर्म नहीं अपनाएंगी और दोनों की सिविल मैरिज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रतनसी ने बताया कि शादी में न तो हिंदू और न ही मुस्लिम रीति-रिवाज होंगे। यह एक सिविल मैरिज होगी।'

उन्होंने एक इंटरव्यू में यह भी कहा कि ये बात पक्की है कि सोनाक्षी धर्म परिवर्तन नहीं करेंगी। उनका मिलन दिलों का मिलन है और इसमें धर्म की कोई भूमिका नहीं है। बता दें कि शादी के दो दिन पहले सोनाक्षी के पिता व एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने होने वाले दामाद जहीर से मुलाकात की। खबरें थी कि शत्रुघ्न सिन्हा इस शादी से खुश नहीं हैं और वो शादी में शामिल नहीं होंगे। जब उनसे बेटी सोनाक्षी की शादी की खबर को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने इसकी जानकारी न होने

की बात कही थी। इन सभी अफवाहों पर विराम लगाते उन्होंने दामाद जहीर इकबाल को गले लगाया और आशीर्वाद दिया। सोनाक्षी और जहीर 23 जून को कोर्ट मैरिज करेंगे, इसके बाद मुंबई में शिल्पा शेट्टी के हाई-प्रोफाइल रेस्टोरेंट बैस्टियन में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होस्ट करेंगे। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल 7 सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और रविवार को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं।

इस खास दिन पर हुमा कुरैशी और आयुष शर्मा समेत कई हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी हाल ही में संजय लीला भंसाली की पहली सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में नजर आई थीं। इसमें मनीषा कोइराला, संजीदा शेख, अदिति राव हैदरी और शर्मिन सहगल मेहता भी लीड रोल में दिखाई दीं। सोनाक्षी को जल्द ही फिल्म 'ककुड़ा' में देखा जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 24-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमें अपनी कमजोरियों से लड़ना, आत्मा में लगे हुए कर्मों से लड़ना अत्यंत कठिन है। हमने मोक्ष के प्रेमियों को अपने कर्मों से लड़ते हुए देखा है। सोचो, कैसा उन महापुरूषों का पुरुषार्थ रहा होगा। बाहर वालों से लड़ने के लिए हमारे पास ताकत बहुत है लेकिन हमारे अंदर की कमजोरियों से निपटने में हम कमजोर है। चूंकि कमजोरियों से लड़ने के साधन बहुत कम है। इसका जुगाड़ स्वयं को करना पड़ता है। उन्होंने कहा कभी-कभी बच्चों को समझाना आसान है लेकिन यदि बड़े लोग बच्चों जैसी हरकत करेंगे तो उन्हें कौन समझा सकता है।

नेत्र शिविर में 61 लोगों की आंखों की जांच हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल रॉयल चेन्नई और अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में जैन महासंघ के अन्ना पिल्लै स्ट्रीट के कार्यालय में निशुल्क नेत्र चिकित्सा, चश्मा वितरण और मोतियाबिंद चिकित्सा का आयोजन किया गया। इस शिविर में 61 व्यक्तियों की जांच की गई। 46 को चश्मे दिये गये और 3 व्यक्तियों को मोतियाबिंद चिकित्सा के लिए अस्पताल भेजा गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। चेयरमैन सज्जन राज मेहता ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए फतेहचंद प्रिया ऋतिक अबानी परिवार का दानदाता के रूप में धन्यवाद दिया।

अग्रवाल आई हास्पिटल से आई डाक्टर की टीम ने सभी की अच्छे से जांच की। महावीर इंटरनेशनल रॉयल के सदस्यों ने मारवाड़ी महिला सम्मेलन चेन्नई की शाखा अध्यक्ष शारदा अग्रवाल, मंत्री शालिनी अग्रवाल और कोषाध्यक्ष सरला मंगल का शाल ओढाकर सम्मान किया। उन्होंने अध्यक्ष सज्जन राज मेहता, मंत्री राकेश खटेड़, कोषाध्यक्ष भंवरलाल परमार और इस शिविर के संचालक रमेश चौरड़िया का सम्मान किया। सभी ने मिलकर, प्रिया, ऋतिक और मुस्कान अबानी का सम्मान किया। इस अवसर पर पारस संचेती, सज्जन राज कोठारी, कान्ति लाल भंडारी, राजेन्द्र कालानि, संजय कोचेटा आदि की सेवायें सराहनीय रही। मारवाड़ी महिला सम्मेलन के कार्यकर्ताओं ने आए हुए सभी को अंगदान का फॉर्म भरने की प्रेरणा दी। सहयोग के इस कार्यक्रम में सभी का उत्साह और सौहार्द प्रशंसनीय था। मंत्री राकेश खटेड़ ने मंच संचालन किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

सेलम में रक्तदान शिविर में महिलाओं ने भी सहभागिता दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। रविवार को स्थानीय तेरापंथ भवन के निचले तले में तेरापंथ युवक परिषद् और भारतीय जैन संगठन के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। तेयुप अध्यक्ष पुनीत डुंगरवाल और बीजेएस सेलम चैप्टर प्रमुख अनिल कुमार पिंचा ने सभी कार्यकर्ताओं तथा रक्तदाताओं का अभिनंदन किया। शिवरामजी ब्लड बैंक के सहयोग से सेलम में इस बार 46 यूनिट रक्त का संकलन हुआ जिसमें पिंकी डुंगरवाल, प्रगति गुप्ता आदि कुछेक महिलाओं ने अपना खून दान कर इस मानव कल्याण मुहिम से जुड़े। सुपर फोर्टी के सदस्यों की सराहनीय सहभागिता रही। अश्विन सेठिया, विकास साकरिया, प्रजीत जैन, रेखा परमार, पिंकी गुज्जर, तरुणा शाह आदि ने शिविर के आयोजन तथा व्यवस्था में सहयोग दिया।

जैन साहित्य संगम का शपथ ग्रहण और 'दस्तक दोहों की' पुस्तक का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन साहित्य संगम, तमिलनाडु की प्रथम कार्यसमिति का शपथ ग्रहण समारोह एवं इसके संस्थापक अध्यक्ष सीए गौतमचंद बोहरा की काव्यकृति 'दस्तक दोहों की' का विमोचन 22 जून को कोला सरस्वती विद्यालय में हुआ। सेठ सुभाषचंद रांका मुख्य अतिथि और चेन्नई कॉर्पोरेशन में काउंसलर राजेश जैन रंगीला सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्ष गौतमचंद बोहरा, उपाध्यक्ष केवल कोठारी व सज्जन जैन, कोषाध्यक्ष पमिता खिचा, सचिव अमित मर्डिया और सहसचिव राजेश सुराणा को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप हर्षदर्शी ने शपथ दिलाई। इसके साथ ही बोहरा की तीसरी पुस्तक दस्तक दोहों की' का लोकार्पण सुभाषचंद रांका, राजेश रंगीला एवं अतिथियों ने किया। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि बोहरा ने विभिन्न विषयों पर सरल भाषा में प्रेरक दोहे रचे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य के संरक्षण और संवर्धन में जैनों का ऐतिहासिक योगदान है।

संगम के संरक्षक कवि कैलाश जैन 'तरल' (उज्जैन), राष्ट्रीय महामंत्री मनोज मनोकामना (झाबुआ), मध्यप्रदेश अध्यक्ष दिनेश जैन (रतलाम) और जगदीप हर्षदर्शी (उदयपुर) ने काव्यपाठ किया।

इस अवसर पर रजत अध्यक्ष प्रवीण टाटिया, पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल जैन, साहित्यकार बीएल आच्छा, कवयित्री शोभा चोरड़िया, मोहिनी चोरड़िया, नैनमल जैन, अलंकार आच्छा, कपूरचंद सेठिया, रमेश बोहरा, ज्योति मेहता, प्रणत धींग सहित बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कवि जयंतीलाल जागरूक ने संचालन किया। राष्ट्रीय सहमंत्री अमित मर्डिया ने आभार जताया।

अहंकार और कषायों के विसर्जन से होता है आत्मा का विकास : मुनि रश्मिकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। रविवार को स्थानीय तेरापंथ भवन में नौवें आचार्यश्री तुलसी के अट्ठाइसवें महाप्रयाण दिवस को मुनिश्री रश्मिकुमार जी एवं मुनिश्री प्रियांशुकुमारजी के सान्निध्य में विसर्जन दिवस के रूप में मनाया गया। मुनिश्री रश्मिकुमारजी ने श्रावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य तुलसी के जीवन और उनके आदर्शों का मूल्यांकन करें तो यहाँ तुलसी से माना जा सकता है कि जिसकी कोई तुलना ही नहीं हो सकती, अर्थात अतुल्य। तेरापंथ समाज को अणुव्रत, रूढ़िवाद उन्मूलन, नारी विकास, प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान जैसे अनेक अवदान से नवाज़ने वाले महान संत तुलसीगणी ने अपने आचार्य काल के दौरान ही पद विसर्जन कर एक नई मिसाल कायम की थी। मुनिश्री ने आगे प्रवचन में कहा कि हरेक व्यक्ति के ऊपर माता पिता के बाद गुरु का बहुत बड़ा ऋण होता है और गुरु का ऋण हम धर्मसंघ की सेवा करके उतार सकते हैं। हरेक श्रावक को विशेष रूप से इस बात का चिंतन अवश्य करना चाहिए कि ढलती उम्र के साथ हमने अपनी आत्मा के विकास के लिए क्या किया। विसर्जन दिवस मनाने की सार्थकता इसी में है कि हम पदार्थों का, इच्छाओं का, अहंकार का और खासकर कषायों को अपने से दूर करने का प्रयास कर सकें। मुनिश्री प्रियांशुकुमारजी ने अपने वक्तव्य में गुरुदेव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए तुलसी नाम में प्रयोग अंग्रेजी के हरेक अक्षर से आचार्यश्री की विशेषताओं का वर्णन किया। आज के कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल द्वारा किया गया। मंगलाचरण महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा बाफना ने किया तो आभार ज्ञापन मंत्री नीतू सेठिया ने किया। नीतू ने मंडल की ओर से नवगठित सभा और परिषद की कार्यकारिणी कमेटी को भी शुभकामनाएं प्रेषित की। महिलाओं ने मधुर गीतिका की प्रस्तुति दी और ज्ञानशाला के बच्चों ने सदी के महान संत तुलसीगणी के जीवन पर नाट्य मंचन किया। संचालन सपना बाफना ने किया।

न्याय-नीति का शासन ही होता है सबके लिए सुखकारी : विमलसागरसूरी

आचार्य विमलसागरसूरी मैसूरु की ओर विहाररत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीरंगपटना। शहर में विराजित आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि नायक चाहें राष्ट्र के हो अथवा समाज या धर्म के, वे न्यायप्रिय और नीतिमान होने चाहिए, ऐसे पदाधिकारी समाज का हितचिंतन करते हुए अमर हो जाते हैं। जो अन्याय, अनीति, मनमानी या अपनी स्वार्थवृत्तियों में उलझे रहते हैं, वे नायक और पदाधिकारी समाज को सौभाग्यशाली तो नहीं बना पाते, खुद के पुण्य-प्रताप भी नष्ट कर देते हैं। जैनाचार्य ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि कभी मैसूर देवराय वंश का जैन साम्राज्य था। यहां हैदरअली और टीपू सुल्तान ने सत्ता हथियाकर इस्लामिक शासन की स्थापना की थी।

ये पिता-पुत्र दोनों कट्टर मुसलमान शासक थे। उनके शासनकाल में श्रीरंगपट्टना और आसपास के क्षेत्रों में लाखों हिंदुओं तथा जैनों का कत्लेआम व धर्मांतरण हुआ था। टीपू सुल्तान के 17 वर्षों के शासनकाल में अनेक हिन्दू और जैन स्थापत्य या तो नष्ट किये गये अथवा उन्हें मस्जिदों में बदल दिया गया। अनेक प्राचीन मूर्तियों को तोड़ दिया गया। इसी समय उर्दू भाषा के अखबार और मदरसों की शुरुआत हुई।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने आगे बताया कि यदि अंग्रेजों के हाथों टीपू सुल्तान की हार न हुई होती तो यह पूरा क्षेत्र इस्लाम में तब्दील कर दिया गया होता। वैसे, पापों की सजा बहुत भारी होती है।

अपनी हार के बाद राज्य देने के साथ-साथ कर्ज चुकाने के लिए टीपू सुल्तान को अपने बेटे और बेगम को भी अंग्रेजों को सौंपना पड़ा था। आखरी जिंदगी में उस क्रूर शासक को दाने-दाने के लिये तरसना पड़ा। आचार्य विमलसागरसूरीजी और गणि पद्मविमलसागरजी अपने शिष्यों के साथ पाण्डवपुरा से पदयात्रा करते हुए श्रीरंगपट्टना पहुंचे। सभा में कल्याण मित्र वर्षावास समिति, जैन चैरिटेबल ट्रस्ट, आदिनाथ जैन संघ सिद्धार्थ ले आउट के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री के दर्शन कर आगामी कार्यक्रम पर चर्चा की।

विशाल व्यक्तित्व, विराट कर्तृत्व के धनी थे जैनाचार्य तुलसी : साध्वी डॉ गवेषणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ महिला मण्डल की तत्वावधान में नार्थटाउन तेरापंथ परिवार के प्रायोजक्य में साध्वी डॉ गवेषणाश्री के सान्निध्य में रविवार को जैन संघ भवन, नार्थटाउन में 'विसर्जन दिवस' मनाया गया। जैनाचार्य अणुव्रत आन्दोलन प्रवर्तक गणाधिपति श्री तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस, जिसे पूरे देश में विसर्जन दिवस के रूप में मनाया जाता है, उसमें धर्म परिषद् को सम्बोधित करते हुए साध्वी डॉ गवेषणाश्री ने कहा कि मोमबत्ती स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देनी है, सोना तपकर चमक को प्राप्त होता है, चंदन को घिसने पर खुशबू प्रदान करना है। आचार्य श्री तुलसी का जीवन भी मोमबत्ती, सोना और चंदन के समान था। आचार्य तुलसी ने समयानुकूल व्यक्ति, संघ, समाज विकास के लिए अणुव्रत, प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, नयामोड़ इत्यादि अनेकों अवदान दिये। आप विशाल व्यक्तित्व, विराट कर्तृत्व के धनी थे। आपने आचार्य पद छोड़, अपने उत्तराधिकारी को आचार्य पद दे, समाज, विश्व को विसर्जन का महान् सूत्र दिया। आपके जीवन को शब्दों में बांधना, गीतों में गूंथना बहुत मुश्किल है।

साध्वी मयंकप्रभा ने कहा- आचार्य श्री तुलसी युगदृष्टा, भविष्यदृष्टा, आत्मदृष्टा पुरुष थे। वे सिर्फ तेरापंथ के आचार्य ही नहीं, एक राष्ट्र संत थे। साध्वी मेरुप्रभा ने 'सांस सांस में तुळसी का नाम', साध्वी मैरुप्रभा ने 'पुण्यतिथि जब आती है' भाव परिपूर्ण गीतिकाओं की प्रस्तुत दी।

इससे पूर्व नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। चेन्नई महिला मण्डल ने तुलसी अष्टकम से मंगलाचरण किया। नार्थटाउन अध्यक्ष दिलीप गोलेच्छा, सभा उपाध्यक्ष प्रवीण बाबेल, माधावरम ट्रस्ट प्रबंधन्यासी घीसुलाल बोहरा, युवक परिषद् अध्यक्ष संदीप मुथा, जैन विश्व भारती अध्यक्ष अमरचन्द लुंकड़, जैन मंदिर अध्यक्ष मांगीलालजी, महिला मण्डल अध्यक्षा लता पारख, उपासिका विमला गोलच्छा, अणुविभा उपाध्यक्षा माला कातरेला आदि ने अपने प्रभावी विचार एवं प्रस्तुतीयाँ दी। नार्थटाउन महिलाएं, तुलसी संगीत मण्डल, नार्थ टाउन तेरापंथ परिवार के पुरुषों की सुमधुर गीतिकाओं ने नव रंग भर दिया। तुलसी गुरु के आयामों की नये रूप में शानदार प्रस्तुति ने जनसैलाब को सराबोर कर दिया। मंच का संचालन व आभार ज्ञापन नार्थटाउन तेरापंथ परिवार के मंत्री पुखराज पारख ने किया। प्रत्याख्यान, मंगलपाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रॉयल फ़ैमिली के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में योग कार्यशाला का आयोजन योग गुरु किशोर शाह के सान्निध्य में मरीना बीच पर सचिव देवेन्द्रकुमार चोपड़ा के संचालन में एवम् कार्यक्रम में राजेंद्र बेताला, प्रदीप बेताला का सहयोग रहा। योग दिवस कार्यशाला के साथ ही कबूतरों को दाना-चुग्गा डाल कर जीवदया कार्यक्रम भी सुंदर रूप से संचालित किया गया। जीवदया के लिए साधार्मिक बंधुओं का गुप्त सहयोग रहा।

जैन मिलन के स्वास्थ्य शिविर में 90 लोग हुए लाभान्वित

मैसूरु। शहर के बम्बू बाजार स्थित डायलेसिस सेन्टर में जैन मिलन डायलेसिस सेंटर की ओर से डॉक्टर जेऐस हेगड़े की उपस्थिति में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में 90 लोगों ने अपने हड्डियों की जांच करवाई तथा डॉ हेगड़े ने परामर्श व दवाइयां दी। जैन मिलन पैलेस सिटी की ओर से इस शिविर की व्यवस्था की गईं। इस शिविर में जैन मिलन पैलेस सिटी के अध्यक्ष मदनलाल मारू, महामंत्री अशोक कोठारी, जैन मिलन चैरिटेबल ट्रस्ट के महामंत्री एमसी भंसाली, उपाध्यक्ष अशोक सालेचा, विकास बाकलीवाल, दिलीप देसरला सहित अनेक जन उपस्थित थे।

निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 95 मरीज हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सीरवी समाज एचएसआर लेआउट एवं अक्षय हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सीरवी समाज भवन में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ आईमाता के समक्ष दीप प्रज्वलित से हुआ। चिकित्सक डॉ शेल्के ज्ञानेश्वर बालासाहेब, डॉ रघुनंदन ने शिविर में 95 लोगों का मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण किया।इस दौरान हृदय रोग, मधुमेह, बीपी, डायबिटीज एवं सामान्य जांच की गई। इस कार्यक्रम में वडेर के सचिव लक्ष्मणराम आगलेचा, कोषाध्यक्ष भंवरलाल बर्फा, सहकोषाध्यक्ष बाबूलाल सोलंकी, नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष महेंद्र राठौड़, नवयुवक मण्डल के सचिव मदन राठौड़, उपाध्यक्ष टीकमराम आगलेचा, मीडिया प्रभारी किशोर राठौड़ आदि उपस्थित थे।

मायावरम से सजोड़े 14 अगस्त को भीलवाड़ा में होंगे दीक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मायावरम। मायावरम संघ में एक इतिहास बनने जा रहा है मायावरम निवासी मुमुक्ष नीरज जैन और धर्मपत्नी बंसती जैन भीलवाड़ा में आगामी 14 अगस्त को शिखर महोत्सव चातुर्मास 2024 के तहतआचार्य रामेश के मुखारविंद से दीक्षा लेंगे दीक्षा घोषित होने के बाद प्रथम बार मायावरम आगमन पर जगह जगह दंपति की अनुमोदना ओर अभिनन्दन किया जा रहा है। इसी उपलक्ष में मूलत: राजस्थान के ब्यावर निवासी मुमुक्ष नीरज जैन (45) और बसंती (44) का अभिनंदन किया गया। मनोज जैन ने विचार व्यक्त करते हुए आपके मंगलमय जीवन की कामना करते हुए शॉल ओढाकर माला पहनाकर एवं जैन दुप्पट्टा पहनाकर अभिनंदन किया। उन्होंने 14 अगस्त पर भीलवाड़ा पहुंचकर सभी से आशीर्वाद देने का निवेदन किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.